# SHRI LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY

www.slbsrsv.ac.in

B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi – 110016

Phone: (91) 11- 46060606

# Criteria-1

## Curricular Aspects

## 1.2

## Academic Flexibility

## 1.2.1

**Whether the University has designed and offered any Innovative Courses/ Courses in emerging area/ Sanskrit based courses including scientific and technical literature leading to both traditional and modern degrees (e.g. Shastri, B.Sc. etc) with combination of yoga/ Ancient and Modern Mathematics/ Economics/ Management/ Law/ Computer Science/ Theoretical Ayurveda/ Krishi-parashara/ Vrikshayurveda etc. If yes give details.**

Details designed and offered Innovative courses

## 1.2.1. Details of designed and offered (36) Innovative Courses.

| S. No. | Programme Name | Course Name | Courses No. |
|---|---|---|---|
| 1. | M.A. Hindu Studies | Vadparampara tatha unki sansthiya | III |
| 2. | | Tatvavimarsh | IV |
| 3. | | Vimarsh Ki Pashitya Pravidhi | V |
| 4. | | Dharm Evam Karm Vimarsh | VI |
| 5. | | Vedic Parampara Ka Sidhant | VII-Principles IVA |
| 6. | | Jain Parampara Ka Sidhant | VII-Principles IVB |
| 7. | | Boudh Parampara Ka Sidhant | VII-Principles IVC |
| 8. | | Vedang | VIII-Language IIA |
| 9. | | Pali Bhasha Tatha Sahitya | VIII-Language IIB |
| 10. | | Prakrit Bhasha Evam Sahitya | VIII-Language IIC |
| 11. | | Punarjanam-Bandhan-Moksh-Vimarsh | IX |
| 12. | | Ramayan | X |
| 13. | | Bhartiya Nitishastra | XI |
| 14. | | Nataya | XII-Discipline IIA |
| 15. | | Tulnatmak Dharma | XII-Discipline IIB |
| 16. | | Mahabharat | XIII |
| 17. | | Puran Parichay | XIV-Practice IIIA |
| 18. | | Bhartiya Sathpataya | XIV-Practice IIIB |
| 19. | | Panninay Evam Pashachatya Bhashavigyan | XIV-Practice IIIC |
| 20. | | Bhartiya Sanayavigyan va Ranniti | XV |
| 21. | | Bhartiya Kala | XVI |
| 22. | | Vidhi Tatha Nayashastra | XVII |
| 23. | Shastri and B.A. Yoga | Information Technology and Security | 2 |
| 24. | | Introduction to programming using Python | 3 |
| 25. | | Programming Fundamentals using C | 4 |
| 26. | | Data Structure | 5 |
| 27. | | HTML and Web Development | 6 |
| 28. | | Emerging Trends and Technologies | 7 |
| 29. | | Artificial Intelligence | 8 |
| 30. | P.G. Diploma and Naturopathy | Importance & Principles of Yoga | 1 Sem-I |
| 31. | | Yoga and Health | 2 Sem-I |
| 32. | | Human Anatomy and Physiology | 3 Sem- I |
| 33. | | Principles of Naturopathy | 4 Sem-I |
| 34. | | Basic Principle of Yoga in Indian Vangmaya | 1 Sem-II |
| 35. | | Alternative Therapy | 2 Sem-II |
| 36. | | Disease and Naturopathy | 3 Sem-II |

# Total No of courses = 36

22. Śālikanatha Mishra, *Prakaranapañcikā- Nyayasiddhi*, A. Subrahinanya Śāstrī (ed.), Banaras Hindu University, Varanasi, 1961
23. Jyogendra Nath Bagchi, *Prāchīna Nyāya and Mīmamsa Darśana Sammata Prāmāṇyavāda*, Sanskrit Pustaka Bhandar.
24. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य
25. काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट
26. शब्दशक्तिप्रकाशिका– जगदीशतर्कालङ्कार
27. शक्तिवाद: गदाधरभट्टाचार्य
28. वैयाकरणलघुमञ्जुषा–नागेशभट्ट ।


*******

**COURSE III – METHODS II : वादपरम्परा तथा उनकी संस्थाएं: विकास और ज्ञान का सातत्य** (अनिवार्य)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. वादपरम्परा : शास्त्रार्थ की विधि–
   अ) सम्पन्न करने की विधि, निर्णयन, अनुशीलन और अद्यतनता।
   ब) सिद्धान्त (सर्वतन्त्र– प्रतितन्त्र–अभ्युपगम–अधिकरण सिद्धान्त)
2. कथा (स्वरूप तथा प्रकार)–
   अ) वाद (स्वरूप तथा उद्देश्य)
   ब) जल्प (स्वरूप तथा उद्देश्य)
   स) वितण्डा (स्वरूप तथा उद्देश्य)

**इकाई–2** अंक–16

1. ज्ञान परम्परा का संगठन–
   अ) सूत्र (सिद्धान्तों की सूत्रात्मक प्रस्तुति), भाष्य (सिद्धान्त का विवरण), वार्तिक (निर्दिष्ट तथा अनिर्दिष्ट स्थितियों की समीक्षा)।
   ब) वृत्ति (सिद्धान्त का संक्षिप्त विवरण)।
   स) टीका (सरलविधि में उदाहरण सहित विस्तृत विवरण)।
   द) टिप्पणी (किसी निश्चित बिन्दु, परिभाषा, शब्दावली, पादटिप्पणी के रूप में)

**इकाई–3**

1. पदैकवाक्य एवं वाक्यैक्य वाक्यता।
2. अर्थनिर्धारण की प्रविधियाँ (श्रुति, लि", वाक्य, प्रकरण, स्थान, समाख्या)
3. ज्ञान के तात्पर्यविश्लेषण के नियम षड्विधप्रक्रिया– षड्विधतात्पर्यनिर्णायक लिङ्ग।

**इकाई–4** अंक–16

1. तन्त्रयुक्ति : अन्वेषण विधि, प्राकृतिक विज्ञान, तकनीकी औषधि, विधिशास्त्र, निर्माण क्षेत्र में निर्णयन के विभिन्न स्तर तथा किसी समकालीन समस्या के समाधान में इनका अनुप्रयोग।
2. नैयायिकप्रक्रिया (समस्या से निर्णय)।

**इकाई–5** : वेदोच्चारण तथा अर्थ संरक्षण के माध्यम– अंक–16

1. वेदांग।
2. पाठ–पद्धति(संहिता पाठ–पुरुषसुक्त के अनुसार, हिरण्यगर्भसूक्त, सामनस्यसूक्त–उच्चारण / अष्टविकृतिपाठ।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. न्यायभाष्यम्–प्रसन्नपदा सहित–सम्पा द्वारिकादास शास्त्री–सुधीप्रकाशन, वाराणसी
2. संवादोपनिषद्, राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक– भारत अध्ययन केन्द्र, मालवीय हेरिटेज काम्प्लेक्स, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 221005, 2018।
3. 'भाष्यपरम्परा ज्ञानप्रवाहश्च', (भाष्यपरम्परासु ज्ञानप्रवाहसातत्यम्– उमाशंकर शर्मा ऋषि) सम्पादक – गोपबन्धु मिश्र, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात, 2020।
4. सच्चिदानन्द मिश्र, अर्थ सामीप्य : अर्थ निर्धारण का महत्त्वपूर्ण घटक, दर्शन के आयाम, न्यू भारती बुक कार्पोरेशन, 2011.


सहायक कुलसचिव (अकादमिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

5. मीमासान्यायप्रकाश (छायाज्ञानवतीहिन्दीव्याख्यासहित), आपदेव, राधेश्याम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2016
6. शांकरदृष्टि में सांख्यदर्शन, अशुतोष त्रिपाठी, भारती प्रकाशन, 2020।
7. *Kauṭilīya-arthaśāstram:* Hindī vyākhyopetam by Vācaspati Gairolā, Caukhambā Vidyābhavana, Vārāṇasī, 1962.
8. Radhavallabh Tripathi, *Vāda in Theory and Practice: studies in debates, dialogues, and discussions in Indian intellectual discourses*, IIAS, Shimla and DK Print World, New Delhi, 2016.
9. Kamalesh Datta Tripathi, *The Structure of the Śāstra and The Tradition of Exegesis: An Overview of The Indian Exegesis.*
10. K. N. Chatterjee, *Word and Its Meaning- A New Perspective*, Varanasi, 1980.
11. P. K. Mazumdar, *The Philosophy of Language: An Indian Approach*, Calcutta, 1976.
12. S.S. Barlingay : *A Modern Introduction to Indian Logic*, National Publisher House, Delhi, 1965.
13. S.S. Barlingay: *'Problem of Formalisation in Saṃvāda Śāstra'*, JICPR, 1996.
14. S.S. Barlingay: *'Standards of Scientific Investigation: Logic and Methodology of Science in Caraka Saṃhitā*, IJHS, 19(3), 1984.
15. याज्ञवल्क्यशिक्षा

*******

**COURSE IV - PRINCIPLES I : तत्त्वविमर्श** **(अनिवार्य)**

**पूर्णांक : 100 (80+20)**

**इकाई–1 हिन्दूवाद का मूल एवं क्रमिक इतिहास** **अंक–16**

1. 'हिन्दू' : वंशावली, भौगोलिक सम्प्रत्यय।
2. 'हिन्दू' : भारतीय मनीषियों तथा विदेशी विद्वानों के मतों का समीक्षण
3. भारतीय ज्ञान परम्परा (अष्टादशविद्या) और इनके आचार्य।
4. भारतीय परम्परा में पदार्थ तत्त्व, (काल एवं दिक्) की प्रकृति एवं पंचमहाभूतों का स्वरूप।

**इकाई–2** **अंक–16**

1. सम्पूर्ण परम्परा में आत्मा एवं आत्मतत्त्व की अवधारणा विषयक समानता।
2. सम्प्रभुता का समानांतर सिद्धान्त (आत्मानुशीलन)–
   अ) आत्मपरिचय : वाक्सूक्त, देव्यथर्वशीर्ष, कृष्ण (इन्द्रो–मायाभिपुरुरूपमीयते)।
   ब) अर्धनारीश्वर कश्मीर शैव–दर्शन एवं बृहदारण्यक उपनिषद् (1.4.3)

**इकाई–3** **अंक–16**

1. शक्ति और प्रकृति का सिद्धान्त : स्त्री तथा देवियों के परिप्रेक्ष्य में।
2. सौन्दर्यलहरी : सामान्य अध्ययन।
3. जैन एवं बौद्ध तथा सिक्ख परम्पराओं में स्त्री सिद्धान्त विषयक समानता।

**इकाई–4 :** **अंक–16**

1. अ) वैदिक परम्परा में एकत्त्व का सिद्धान्त, विरुद्ध मतों की स्वीकार्यता का आधार।
   ब) जैन, बौद्ध, न्याय, वैशेषिक एवं सिक्ख, सिद्धान्तों में अन्तःसंयोजनात्मकता।
2. **अनन्त ज्ञान और विनम्रता का उत्स : (नासदीय सूक्त,गजेन्द्रमोक्षस्तोत्रम् श्री म.भा. 8/3 जैन, बौद्ध एवं सिक्ख ग्रन्थों के सन्दर्भ में)।**
3. शब्दावली में एकत्व : एक सत्ता के अनेक अभिधान (जैसे– विष्णु, बुद्ध, सूर्य एवं प्रेम)।
4. अन्तःसंयोजनात्मकता, एकत्व, अन्योन्याश्रितता, स्वीकार्यता में अन्तःसम्बन्ध।
5. तर्क की स्वीकार्यता : असहिष्णुता, हिंसा एवं आतंकवाद का निषेध (वैदिक मन्त्र, जैन (जिनदत्त सूरि)
   तथा सिक्ख मत।

**इकाई–5 : वैदिक दृष्टि** **अंक–16**

1. वर्ण की तात्त्विक स्थिति : पुरुषसूक्त, बृहदारण्यक उपनिषद् एवं मनीषापञ्चक(शंकराचार्य)।
2. सार्वभौमिक समानता तथा सम्मान का आधार : एकत्व का सिद्धान्त।
3. वर्ण, जाति एवं कास्ट पूरी तरह से विभिन्न विचारों से सम्बद्ध कैसे? (श्रीमद्भगवद्गीता)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

अंक–20

## इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन

## संस्तुत पाठ्यसामग्री–


1. पुरुषसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 90वाँ सूक्त श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।
2. नासदीयसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।
3. वाक्सूक्त ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।
4. ईशादिनवोपनिषद्, हरिहरनाथ भागवत (ईश–केन–कठ–प्रश्न–मुण्डक–माण्डूक्य शाकरभाष्य सहित), चौखम्भा प्रकाशन, 2015।
5. वैदिकसूक्तसग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर, सस्करण।
6. सौन्दर्यलहरी, पिताम्बरा पीठ, दतिया, मध्यप्रदेश।
7. शाकरज्योति (मनीषापचक), सोमस्कन्दन, पयस्वती प्रकाशन, करौंदी, वाराणसी, 2004।
8. मनीषापचक, आदिशकराचार्य, पी.पी.नारायण स्वामी, 2020
9. बृहदारण्यक उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, सस्करण, 1915
10. पुरुषार्थचतुष्टय, प्रेमवल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा पब्लिशिग हाउस, नई दिल्ली।
11. भारतीय विद्यासार (भाग 1 एवं 2), भारतीय विद्या भवन, स– शशिबाला, ओम विकास, अशोक प्रधान, नई दिल्ली, 2018।
12. सस्कृत वाङ्मय मे विज्ञान का इतिहास, स.– कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 2003।
13. प्राचीन भारतीय आचार्य, सम्पादिका– शशिप्रभा कुमार, रेवा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016।
14. भारत की संत परम्परा और सामाजिक समरसता, कृष्णगोपाल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2018।
15. दुर्गासप्तशती, गीताप्रेस, गोरखपुर, सस्करण, 2017।
16. केनोपनिषद, ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2017।
17. *The Concept of Ātman in the Principal Upaniṣads: In the Perspective of the Saṁhitās, the Brāhmaṇas, the Āraṇyakas and Indian Philosophical System*, Baldev Raj Sharma, Dinesh Publications, Jalandhar-144008, 1972.
18. जिनसेन–महापुराण
19. *Facets of Indian Heritage*, Ed. Dipti Sharma Tripathi, New Bharatiya Book Corporation, Delhi, 2008.
20. *The Tantras and Their Impact on Indian Life*, Ed. Pushpendra Kumar, Vidyanidhi Prakashan, Delhi, 2004.
21. ***Relevance of India's Ancient Thinking to contemporary Strategic Reality***, Ed. Arvind Gupta & Arpita Mitra, Vivekanand International Foundation & Aryan Books International, New Delhi, 2020.
22. ***Maitryupaniṣad***, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
23. ***Taittiriyopaniṣad***, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
24. ***Subala Upaniṣad***, S. Radhakrishnan, The Principal Upaniṣads, Harper Collins Publishers, Noida, 2016.
25. *Sāṁkhya Kārikā*, Ed. & Tr. Ramāśaṅkara Tripathi, Chaukhaba Krishnadas Academy, Varanasi, 2015.
26. *Tarkabhāṣā- Yaśovijaya*, Ed. Dayānanda Bhārgava, Motilal Banarasidas, 1973.
27. *Vaiśeṣika Gaṇitīya Paddhati,* N.G. Dongre, Varanasi, S.S.V., 1965.
28. *Vedāntaparibhāṣā* (viṣaya paricchedah), Dharmarajadhvarindra, ed. by Panchanan Shastri, śak 1883.
29. *Sankhyatattvakaumudi*, Vacaspati Misra, ed. by Narayan Chandra Goswami, 1921.
30. *Classical Indian Metaphysics*, Stephen H. Philips, Delhi: Motilal Banarasidass, 1997.
31. *Indian Realism*, Jadunath Sinha, London: Kegan Paul, 1938.
32. *Indian Realism*, P.K. Mukhopadhyaya, Calcutta: K.P. Bagchi 1984.
33. *Vaiśesika Philosophy*, H. Ui, Varanasi: Chowkhambha Sanskrit Series 22, reprinted in 1962
34. *Tarkabhāsā Vol– II*, Gangadhar Kar, Kolkata: Mahabodhi Books, 2014 Gopinath Bhattacharya, *Essays in Analytic Philosophy.*
35. *Nyāya Tattva Parikramā,* K. K. Banerjee.
36. *Facets of Indian Thought,* Betty Heimann, George Allen & Unwin Ltd, London, 1964.


*******

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016

## SECOND SEMESTER

**COURSE V – METHODS III : विमर्श की पाश्चात्य प्रविधि** (अनिवार्य)

पूर्णांक : 100 (80+20)

इकाई–1 अंक–16

1. स्वतंत्रान्वेषण की सीमा हेतु पारम्परिक पाश्चात्य प्रतिबन्ध।
2. पारम्परिक प्रविधियाँ (ऐतिहासिक जीवनियाँ इत्यादि)।
3. रीतिवाद एवं नव–समीक्षावाद : रीति एवं काव्यात्मकता के महत्त्व, न कि लेखक का।

इकाई–2 अंक–16

1. मार्क्सवाद एवं समीक्षावादी चिन्तन–
   क) विश्लेषणात्मक उपागमों के रूप में वर्ग एवं आर्थिक–सिद्धान्तों की भूमिका।
   ख) समीक्षावादी सिद्धान्त– एक सोद्देश्यात्मक सिद्धान्त : इसके इतिहास का पुनरावलोकन एवं यूरोप में उन्नत वामपंथी चिन्तन के अभिप्राय।
   ग) अन्तोनियो ग्राम्शी और आधिपत्य।

इकाई–3

1. संरचनावाद–
   क) सोस्यूर, क्लाउड लेवी स्ट्रास संस्कृत भाषा–विज्ञान का प्रभाव, परिणामात्मक भिन्नताएँ (शब्दों के अन्तर्निहितार्थ नहीं होते)।
   ख) वस्तुनिष्ठता पर बल, वैज्ञानिक दृष्टिकोण।
2. उत्तर–संरचनावाद–
   क) देरिदा एवं औपनिषदिक सापेक्षवाद के प्रभाव।
   ख) विखण्डन– सन्दर्भ–हानि एवं अर्थ का अन्तहीन स्थगनादिक, समीक्षक का अर्थ रचना स्वातन्त्र्य।

इकाई–4 अंक–16

1. ऐतिहासकतावाद, नव ऐतिहासिकतावाद कल्चरल मैटिरिलिज्म–
   क) तटस्थ अन्वेषण की असंभावना एवं ऐतिहासिक मूल्यपरक निर्णयों के निर्माण की आवश्यकता।
   ख) महान् एवं लोकप्रिय साहित्यों के बीच अभेद : शक्ति–प्रयोग एवं अवसान।
   ग) गैर–मानक व्यवहारों में प्रबल अभिरूचि : कृषक विद्रोह, झाड़–फूँक, परवस्त्रधारण, यथा 'अन्य'।
2. नृजातीय अध्ययन, प्राच्यवाद, उत्तर–आधुनिकतावाद, उत्तर–औपनिवेशिक आलोचना और लैंगिक अध्ययन तथा फेनोमेनॉलाजी।

इकाई–5 अंक–16

1. मनोवैज्ञानिक विश्लेषण (फ्रायडीय एवं युंगीय एवं लाकनीयन)।
2. विज्ञान एवं संज्ञान के क्षेत्र में देकार्त्तीय दृष्टि।
3. अपचयन के परे जाना : भारतीय ज्ञान–तंत्र की भूमिका।
4. भारतीय प्रविधियों उपयोग कर समकालीन पाठों का विश्लेषण (यथा प्रविधि– I एवं II पाठ्यक्रमों में निरूपित, उपयुक्त पाश्चात्य दृष्टिकोण)।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. मार्क्सवाद और रामराज्य, हरिहरानन्दसरस्वती धर्मसम्राट् करपात्री स्वामी, गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. *Colonial Discourse and Post-Colonial Theory: A Reader*, Williams, Patrick and Laura Chrisman, Columbia Press, NY, 1993.
3. *History and Historians in the 19th Century*, GP Gooch, Forgotten Books, London, 2018.
4. *The Historian Craft*, Marc Block, Vintage, NY, 1964
5. *The Creation of Patriarchy*, Lerner Gerda, Oxford University Press, 1986.
6. *Gender and Politics of History*, Joan Scott, Oxford University Press, 1989.
7. *White Mythologies*, History and the West, Rubert Young, Routledge, 1990.
8. *Studying History*, Black Jeremy, and Donald Maxraild, Macmillan, 1997.
9. *G-Research Methodology and Historical Investigation*, Clark Kitson, Cambridge University Press, 1972.



सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

10. *The Age of Revolution*, 1789-1848, Eric Hobsbawn, Weidenfeld and Nicolson, World Publishing Company, London, 1962
11. *Essays in Indian History: towards a Marxist Perception*, Irfan Habib, Anthem Press, London, 2002.
12. *Marxist Historiographies: A Global Perspective, Editors* – Wang and Iggers, Routledge, London, 2015.
13. *Marxist History Writing for the 21st Century*, Edit. Chris Wickham, OUP/British Academy, London, 2007.
14. *Marxism and the Methodologies of History*, Gregor McLennan, Verso Books, London, 1981.
15. *Reflections on the Marxist Theory of History*, Paul Blackledge, Manchester University Press, Manchester, UK, 2006.
16. *Postmodernism, or, the Cultural Logic of Late Capitalism*; Fredric Johnson, Duke University Press, NC, USA, 1989.
17. *Postmodernism: A Very Short Introduction*, Christopher Butler, Oxford- Illustrated edition, Oxford University, London, 2008.
18. *Postmodern Theory:* Steven Best & Douglas Kallener, Guilford Publication, NY, 1992.
19. *The Origins of Postmodernity*, Perry Anderson, AAkar Books, Delhi, 2013.
20. *Orientalism*, Edward Said, Vintage, NY, 1979.
21. *Culture and Imperialism*, Edward Said, Publisher, Chatto & Windus, 1993.
22. *Orientalism: History, Theory and the Arts;* John McKenzie, Chatto and Windus, UK, 1993.
23. *Interrogating Orientalism: Contextual Approaches and Pedagogical Practices*, Editors: Hoevelerand & Cass, Ohio State University Press, USA, 2013.
24. *Orientalism and Modernism: The legacy of China In Pound and Williams*, Zhaoming Qian, Duke University Press, NC, 1993.
25. *Structuralism and Poststructuralism for Beginners*, Donald D. Parlmer, For Beginners Press, 2007.
26. *Poststructuralism(A very Short Introduction)*, Catherine Belsey, Oxford- Illustrated edition, Oxford University, London, 2008.
27. *Michel Foucault: Beyond Structuralism and Hermeneutics;* Dreyfus and Rabinow, University of Schicago Press, 1983.
28. *Structuralism and Since: From Levi Strauss to Derrida;* Editor: John Sturrock, Oxford University Press, 1981.
29. *Genealogies and Speculation: Materialism and Subjectivity since Structuralism*, Suhail Malik and Armen Avanessian, Bloomsbury Academic, UK, 2016.
30. *Architecture and Structuralism: The Ordering of Space*, Hertzberger, NAI Publishers, Neitherlands, 2014.
31. *History of Structuralism*, Vol. 1: *The Rising Sign*; 1945-1966, Dosse, University of Minnesota Press, USA, 1998.
32. *Critical Theory to Structuralism; Philosophy, Politics and the Human Sciences*, David Ingram, Routledge, London, UK, 2014.
33. *Philosophy: Structuralism for Unity, Visions of Truth for Justice and Success*, Ronnie Lee, Outskirts Press, USA, 2011.
34. *Toward a Philosophy of the Act*, M.M. Bakhtin, translation & notes by Vadim Liapunov, University of Texas Press, USA, 1993.
35. *The Dialogic Imagination : Four Essays*, edited by Michael Holquist, translated by Caryl Emerson & Michael Holquist, University of Texas Press, USA, 1982.

*******

## COURSE VI - PRINCIPLES II: धर्म एवं कर्म विमर्श

(अनिवार्य)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. धर्म– परिभाषाओं का सर्वेक्षण (श्रुति, स्मृति, कल्प, धर्मशास्त्र तथा सम्पूर्ण परम्परा में)–
   अ) उत्तदायित्व तथा सेवा–भाव में सम्बन्ध।
   ब) प्रवृत्ति तथा निवृत्तिमूलक धर्म, अभ्युदय एवं निःश्रेयस् (पुरुषार्थ) की सिद्धि हेतु।

**इकाई–2** अंक–16

1. वैदिक, जैन, बौद्ध एवं सिक्ख परम्परा में सभी स्तरों पर धर्म एक संगठनात्मक सिद्धान्त–
   अ) व्यक्तिगत (आश्रम धर्म) और वर्णाश्रम धर्म को चुनने की स्वतंत्रता।
   ब) समाज और समुदाय : आचार, व्यवहार, प्रायश्चित्त एवं संबंधित विधिशास्त्र।
   स) राज्य तथा राजा का दायित्व : राजधर्म।
   द) ब्रह्माण्ड और ऋत की अवधारणा।

Assistant Registrar (Academic)
Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Institutional Area, New Delhi-110016

**इकाई–3** **अंक–16**

1. विश्वास और उपासना पर धर्म की प्रधानता–
   अ) सच्चे वैष्णव (वैष्णव जन तो....), शैव, सिक्ख (देहु शिवा वर मोहे एसो....), बौद्ध (अष्टांगिक मार्ग) की परिभाषाएँ।
   ब) धर्म का आविर्भावात्मक स्वरूप, साक्षात्कार की शृंखलाओं पर आधारित : धर्म जड़ात्मक इकाई नहीं।
2. धर्म, रिलीजन, पन्थ, मज़हब एवं सम्प्रदाय पदों की व्याख्या।

**इकाई–4** **अंक–16**

1. कर्म : परिभाषाओं का सर्वेक्षण–
   अ) कर्म, विकर्म एवं अकर्म (भगवद्गीता)।
   ब) छः श्रेणियाँ : काम्य, नित्य, निषिद्ध, नैमित्तिक, प्रायश्चित्त एवं उपासना।
2. अ) व्यक्ति के लिए सकाम कर्म का प्रावधान।
   ब) निष्काम कर्म : ब्रह्म या सर्वम् एक वास्तविक कर्ता के रूप में।
   विनयशीलता तथा कर्त्तव्यकर्म दायित्व मात्र के निर्वहण लिए।

**इकाई–5** **अंक–16**

1. कर्म का संकल्पस्वातन्त्र्य, लेकिन कर्मफल पर पूर्णनियन्त्रण का अभाव, कर्मफल की अपरिहार्यता।
2. कर्म और संस्कार (भागवतपुराण में राजा भरत के मृग बनने की कथा)।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** **अंक–20**

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, भाग–5, सन् 2019, सप्तम संस्करण।
2. हिन्दूधर्म जीवन में सनातन की खोज, विद्यानिवास मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2013।
3. उपनिषद् दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण, रामचन्द्र दत्तात्रेय रानाडे, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1971।
4. जैन धर्म, पं0 कैलाशचन्द्र जी सिद्धान्त शास्त्री (प्राच्य श्रमण), भारती, मुज़फ्फरनगर, 1998।
5. जैन दर्शन मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, जैनविश्वभारती, लाडनूँ (राजस्थान), आदर्श साहित्य संघ प्रकाशन, चुरू, राजस्थान, 2014।
6. भगवद्गीता, शांकरभाष्य (हिन्दी अनुवाद सहित), गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् 2065।
7. कर्मयोगशास्त्र (Hindu Philosophy of Ethics), बाल गंगाधर तिलक, शक संवत् 2012, 1934।
8. सनातनधर्मोद्धारः (भाषा–भाव–प्रभाटीकासमेतः)(खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।
9. *Sanātana Dharma: An Advance Text Book of Hindu Religion and Ethics*, Bhagwandas and Annie Besant, The Theosophical Publishing House, Madras, 1940.
10. *Dharma, the categorial Imperative*, edited by: Ashok Vohra, Arvind Sharma, Mrinal Miri, D.K. Printworld, New delhi, 2005.
11. *Jain Dharma kā Maulika Itihāsa*, vols. I & II, Acharya Hastimala, Gaj Singh Rathore, Premraj Bujawal, Jaipur, Jaina Itihas Samiti, Lal Bhavan, Jaipur, 4th Ed., 1999.
12. *Bauddha Dharma Darśana*, Acharya, Narendradeva, Patna, Bihar Rashtrabhasha Parishad, 1956.
13. *Dharma and ethics : the Indian ideal of human perfection*; [revised version of papers presented at the National Seminar on *Dharma*, Virtue and Morality: the Indian Ideal of Human Perfection, held at Kanpur in 2005] by : D.C. Srivastava, Bijoy H. Boruah, Decent Books, New Delhi, 2010.
14. *The Dharmaśāstra : an introductory analysis by Brajakishore Swain*; Akshaya Prakashan, Delhi, 2004.
15. ***Social & Political Implications of Concepts of Justice and Dharma***, Chousalkar Ashok S., Mittal Publications, Delhi, 1986.
16. *The Hindu vision*, Anantanand Rambachan, Motilal Banaridaas, Delhi, 1999.
17. *Dharma in early Brahmanic, Buddhist and Jain traditions*, Vincent Sekhar, Sri Satguru Publication, Delhi, 2003.
18. *The development and place of Bhakti in Śāṅkara Vedānta*, Ādyā Prasād Mishra, Munshiram Manoharlal, Delhi, 1967.
19. *Indian religious thought*, by Sarvepalli Radhakrishnan, Delhi : Orient, 2006.
20. *Hindu View of Life*, Sarvepalli Radhakrishnan, New Delhi: HarperCollins, 2012.
21. रत्नकरण्डकश्रावकाचारः – आचार्यसमन्तभद्रः


*******

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

## COURSE VII - PRINCIPLES IVA : वैदिक परम्परा के सिद्धान्त

(वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : वैदिक परम्परा एवं उसके आधारभूत तत्त्व–** अंक– 16

1. वेद : अर्थ एवं व्युत्पत्ति, पर्याय, विभिन्न परम्पराएँ।
2. वेद, वेदत्रयी, समाम्नाय, निगम, स्वाध्याय आदि का एकत्व।
3. ऋषि, देवता एवं छन्द का स्वरूप।
4. वैदिक संहिताओं एवं शाखाओं का उद्भव एवं विकास।
5. वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों का एकशरीरत्व अथवा एकात्मता।
6. निगमागम का अन्तःसम्बन्ध।

**इकाई–2 : यज्ञ एवं इष्टियाँ–** अंक–16

1. काम्य एवं निष्काम यज्ञ।
2. यज्ञ की पात्रता एवं प्रारम्भिक विधान।
3. अग्निहोत्र, सन्ध्योपासन एवं वृत्ति–निरोध।
4. अग्निशाला, पंचाग्नि विवरण एवं यागशाला का विज्ञान।
5. ऋत, सत्य, दीक्षा, तप एवं यज्ञ के प्रत्यय।
6. शुभ एवं अशुभ की अवधारणाएँ (पाप–पुण्य, ऋत–अनृत, स्वर्ग–नरक आदि)।
7. विनियोग का स्वरूप– ऋषि, देवता, छन्द एवं उनका विनियोग।

**इकाई–3 : यज्ञमीमांसा–** अंक–16

1. मीमांसाशास्त्र का संक्षिप्त परिचय ।
2. वैदिक यज्ञों का परिणाम (अपूर्व आदि)।
3. देवतत्त्व की अवधारणा–

**इकाई–4 : वेद व्याख्या की प्रमुख परम्परायें–** अंक–16

1. वेद की सार्वजनीन एवं सार्वभौमिक उपादेयता–
   अ) व्यक्तित्व निर्माण के सन्दर्भ में।
   ब) स्वस्थ समाज के निर्माण के सन्दर्भ में।
   स) राष्ट्र निर्माण के सन्दर्भ में।

**इकाई–5 :** अंक–16

1. वैदिक निर्वचन– याज्ञिक तथा आध्यात्मिक।
2. वैदिक पर्यावरण विज्ञान।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. वैदिक संहितायें– *ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद*।
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. ऋग्वेदभाष्यभूमिका, आचार्य सायण।
4. अर्थसंग्रह, लौगाक्षिभास्कर।
5. भारद्वाज श्रौतसूत्र, सी.जी. काशीकर, पूना 1964।
6. ईश्वरसंहिता– भाग 1 (प्रस्तावना), संपादकीय वी वरदाचारी एवं गया चरण त्रिपाठी, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र।
7. मीमांसा कोश, केवलानन्द सरस्वती, 1952।
8. ऋक्सूक्त वैजयन्ती, हरिदामोदर दास वेलणकर, पूना 1965।
9. वैदिक देवताओं का उद्भव एवं विकास, गया चरण त्रिपाठी, नई दिल्ली, 2014।
10. वैदिक देवता दर्शन, प्रभु दयाल अग्निहोत्री, नई दिल्ली, 1989।
11. वेदरश्मि, वासुदेव शरण अग्रवाल, वाराणसी, 1964।
12. श्रौत कोश (तीन भागों में), सी.जी. काशीकर, पूना, 1964।
13. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग), पी.वी. काणे, पूना।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास (भाग प्रथम–द्वितीय), संपादक, ब्रजबिहारी चौबे एवं ओमप्रकाश पाण्डेय, लखनऊ, 1996।
15. यज्ञतत्त्वप्रकाश, चिन्नस्वामी शास्त्री, सं. पट्टाभिराम शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास, वाराणसी, 1993।
16. वैदिक यज्ञों का सचित्र कोश, एच.जी.रानाडे, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, 2004।
17. पिंगलछन्दसूत्रम्, कपिलदेव द्विवेदी एवं श्यामलाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019।
18. शतपथब्राह्मण (प्रथम भाग) भूमिका मात्र, युगलकिशोर मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
19. वेद रहस्य, श्री अरविन्द, श्री अरविन्द आश्रम, पाण्डीचेरी, 2015।
20. *Change and continuity in Indian Religion*, J Gonda, London, 1965.



सहायक कुलसचिव
Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
नई दिल्ली-110016
Institutional Area, New Delhi-110016

21. *Dual Deities in the religion of the Veda*, J Gonda, London, 1974.
22. *Brihaddevatā or Index to the Gods of the Rgveda*, Shaunak, Ed. Rajendra Lal Mitra, 1893.
23. *Sacrifice in the Rgveda*, Poddar K R, Bharatiya Vidya Bhawan, Bombey, 1953.
24. *The Vedic Etymology*, Fateh Singh, Kota 1952.
25. *Vedic Studies* Vol. I, A. Venkat Subiah, Mysure, 1932.
26. *Rgvedic Culture*, A. C. Das, Cosmo Publications India, Calcutta, 2003.
27. *Communication with God*, G. C. Tripathi, New Delhi, 2009.
28. *Vedic Religion*, K. Chattopadhyaya, Dept. of Philosophy and Religion, BHU, Varanasi.

*******

**COURSE VII - PRINCIPLES IVB : जैन परम्परा के सिद्धान्त** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई : 1 जैन तीर्थंकरों का इतिहास** अंक–16

(i) तीर्थंकर परम्परा।
(ii) ऋषभदेव।
(iii) पार्श्वनाथ।
(iv) महावीर।

**इकाई : 2 जैन तत्त्वमीमांसा** अंक–16

(i) नवतत्त्व तथा उनके स्वरूप
(ii) जीव।
(iii) अजीव। –ईश्वरतत्त्व (पञ्चपरमेष्ठि)
(iv) सम्यग्दर्शन।

**इकाई : 3 जैन ज्ञानमीमांसा** अंक–16

(i) सम्यक् ज्ञान।
(ii) प्रमाण ज्ञान।
(iii) परोक्ष प्रमाण। मति एवं श्रुतज्ञान।
(iv) प्रत्यक्ष प्रमाण।

**इकाई : 4 केवल ज्ञान (सर्वज्ञता)प्रमुख सिद्धान्त** अंक–16

(i) आस्रव, संवर।
(ii) निर्जरा, बन्ध, मोक्ष।
(iii) अनेकान्तवाद
(iv) स्याद्वाद।
(v) नयवाद।
(vi) अहिंसा

**इकाई : 5 जैन आचार मीमांसा** अंक–16

(i) जैनश्रावकाचार
(ii) जैनश्रमणाचार

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**

1. जैन दर्शन मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूँ (राजस्थान, आदर्श साहित्य संघ प्रकाशन, चुरू राजस्थान।
2. जैन दर्शन, महेन्द्र कुमार जैन, न्यायाचार्य, श्री गणेशवर्णी दिगम्बर जैन सस्थान, नरिया, वाराणसी 221005।
3. जैन धर्म, कैलाशचन्द्र जी सिद्धान्तशास्त्री (प्राच्य श्रमण भारती), मुजफ्फरपुर, 1998।
4. जैन तत्त्वमीमांसा, फूलचन्द सिद्धान्तशास्त्री, अशोक प्रकाशन मन्दिर, वाराणसी, 1960।
5. चार तीर्थंकर, सुखलाल संघवी, श्री जैन संस्कृति संशोधन मण्डल, वाराणसी।
6. तत्त्वार्थसूत्र, उमास्वाति, विवेचक, सुखलाल संघवी, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी 221005।
7. भगवान् महावीर एवं जैन दर्शन, महावीर सरन जैन, लोक भारती प्रकाशन, दरबारी बिल्डिंग, एम0जी0 मार्ग, इलाहाबाद, 2013।

*******

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
New Delhi-110016

**COURSE VII - PRINCIPLES IVC : बौद्ध परम्परा के सिद्धान्त** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (70+30)

**इकाई–1** अंक–16

बुद्ध की मौलिक शिक्षाएँ– चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, मध्यम मार्ग, सत्ता के तीन लक्षण, ब्रह्म विहार, प्रतीत्यसमुत्पाद।

**इकाई–2** अंक–16

निब्बान, क्षणभंगवाद, शील, समाधि और प्रज्ञा, पुनर्जन्म और कर्म सिद्धान्त विषयक आरम्भिक बौद्ध अवधारणाएँ।

**इकाई–3** अंक–16

बौद्ध–धर्म के सम्प्रदाय– सर्वास्तिवाद, वैभाषिक, सौत्रान्तिक,

**इकाई–4** अंक–16

माध्यमिक (शून्यवाद), योगाचार (विज्ञानवाद)।

**इकाई–5** अंक–16

अर्हत और बोधिसत्त्व के आदर्श स्वरूप का परिचय, पूर्णता का सिद्धान्त, त्रिकाय सिद्धान्त।

**इकाई–6** आन्तरिकमूल्याङ्कन अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. **बौद्ध धर्म एवं दर्शन**, आचार्य नरेन्द्र देव, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1954।
2. *What the Buddha Taught*, Rahul Walpola, Reprint, London: 2007.
3. *Buddhist Thought in India*, Conze, E., Delhi: 1996.
4. Kalupahana, D.J., *Buddhist Philosophy: A Historical Analysis*, Hawaii: 1976.
5. Kalupahana, D.J., *The Principles of Buddhist Philosophy*, Delhi: 1992.
6. Murti, T.R.V., *The Central Philosophy of Buddhism*, London: 1975.
7. Murti, T.R.V., *Studies in Indian Thought*, Delhi: 1979.
8. Chatterjee, A.K., *The Yogācāra Idealism*, Delhi: 1975.
9. Stcherbatsky, Th., *Central Conception of Buddhism*, London: 1923.
10. Mookerjee, S., *Buddhist Philosophy of Universal Flux*, Calcutta: 1935.
11. Singh, Indra Narain, *Philosophy of University Flux in Theravāda Buddhism*, Vidyanidhi Prakashan, Delhi, 2002.


*******

**COURSE VIII- LANGUAGE IIA: वेदांग– शिक्षा, व्याकरण, निरुक्त, छंद, कल्प एवं ज्योतिष (वैकल्पिक)**

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : शिक्षा –** अंक–16

1. श्रुत्युक्त शिक्षा का स्वरूप।
2. शिक्षोक्त वर्णोच्चारण।
3. वेद की विभिन्न शाखाओं के अनुसार विभिन्न 'शिक्षा' ग्रन्थ।
4. शिक्षानुमत स्वरभक्ति का स्वरूप।
5. शिक्षा एवं प्रातिशाख्य का अन्तःसम्बन्ध।

**इकाई–2 : व्याकरण–** अंक–16

1. वेदा"ों में व्याकरण नामक वेदा" की मुख्यता।
2. व्याकरण शास्त्र का प्रयोजन।
3. व्याकरण शास्त्र की प्राचीन एवं नव्य परम्परा।
4. व्याकरण शास्त्र के अनुसार प्रकृति और प्रत्यय का विवेचन।
5. व्याकरण शास्त्र के द्वारा सुबन्त, तिङन्त, कारक एवं समास पदों का व्युत्पादन।

**इकाई–3 : निरुक्त–** अंक–16

1. निरुक्त शास्त्र का स्वरूप एवं प्रयोजन।
2. वेदार्थावबोध में निरुक्त शास्त्र का योगदान।
3. निरुक्त के अनुसार शब्दनिर्वचन प्रकार।
4. निरुक्त के अनुसार मन्त्रों का त्रैविध्य।
5. निरुक्तानुरूप देवतास्वरूप चिन्तन।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
नई दिल्ली-110016
Institutional Area, New Delhi-110016

इकाई–4 : छन्दःशास्त्र– अंक–16

1. गायत्र्यादि वैदिकच्छन्दों का स्वरूप।
2. अनुष्टुपादि लौकिकच्छन्दों का स्वरूप।
3. वार्णिक एवं मात्रिक छन्दों का विवेचन।
4. दैवीगायत्र्यादि वैदिकच्छन्दों का विभाजन।
5. लौकिकच्छन्दों में मगणादि गणों की उपादेयता।

इकाई–5 अंक–16

1. कल्प और ज्योतिष का स्वरूप
2. कल्प और ज्योतिष का प्रयोजन
3. कल्प एवं ज्योतिष के अवान्तर भेद
4. कल्प एवं ज्योतिष का सामाजिक प्रमाणिक उपादेयता

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. याज्ञवल्क्य शिक्षा, अमरनाथ शास्त्री, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।
2. नारदीय शिक्षा, श्रीपीताम्बरापीठ, संस्कृत परिषद्, दतिया।
3. पाणिनीय शिक्षा, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2013।
4. पिङ्गलछन्दसूत्रम्, कपिलदेव द्विवेदी, श्यामलाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2015।
5. ऋग्वेद प्रातिशाख्यम्, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
6. अष्टाध्यायी, प्रथमा वृत्ति, ब्रह्मदत्त जिज्ञासु, रामलालकपूर ट्रस्ट, सोनीपत, हरियाणा।
7. निरुक्त, यास्क, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. व्यास शिक्षा।
9. शिक्षावल्ली, तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
10. छन्दोमंजरी, गंगादास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015।
11. वृत्तरत्नाकर, केदार भट्ट, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015।
12. *Chandas and Vedāṅga,* Madhavi S. Narsalay, Tirumalar Tirupati Devasthanams, Tirupati, 2019.
13. *Origin and Development of Sanskrit Metrics,* Arati Mira, The Asiatic Society.
14. *Paṇinīyana Sikṣā or the Sikṣā Vedāṅga ascribed to Pāṇini, Manomohan Ghosh,* University of Calcutta, 1938.
15. *Shikṣāsangrah of Yāgyavalkya and other,* Rama Prasad Tripathi, Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi.
16. *Nighaṭu & Nirukta,* Lakshman Swarup, Motilal Banarsidas, Varanasi, 2015.
17. *Ṛgvedabhāṣyabhūmikā,* Ācārya Sāyaṇa.


*******

## COURSE VIII : LANGUAGE IIB - पालि भाषा तथा साहित्य (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : पालि व्याकरण–** अंक–16

सन्धि, कारक, समास, काल, धातुगण, शब्दरूप।

**इकाई–2 : थेरवाद बौद्ध सैद्धान्तिक पारिभाषिक शब्दों पर संक्षिप्त आलेख बोधिसत्व, बुद्ध, दुःखम्, दुःखसमुदाय, दुःखनिरोधम्, अनिच्छता, अनत्ता, मेत्ता, करुणा, उपेक्खा, अरहत्ता, निब्बान,** अंक–16

**इकाई–3 :** प्रतीत्यसमुत्पाद, पञ्चस्कन्ध, मज्झिमाप्रतिपदा, शील, समाधि, प्रज्ञा। अंक–16

**इकाई–4 : पालि साहित्य का परिचय तथा इतिहास–** अंक–16

त्रिपिटकों का सामान्य अध्ययन, त्रिपिटकोत्तरवर्ती साहित्य।
बुद्धवचनों का वर्गीकरण।
वंश साहित्य।

**इकाई–5 : अनुवाद–पालि से अंग्रेजी / हिन्दी / संस्कृत** अंक–16

आन्तरिकमूल्याङ्कन अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. Tiwary, L.N., & B. Sharma (ed), *Kaccāyana-vyākaraṇa*, Varanasi, 1961.


सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

2. Geiger, W., *Pāli Literature and Language*, Eng. Trans. C. Ghosh, reprint, Calcutta, 1968.
3. Jagdish, B.J., *Pāli Mahāvyākaraṇa*, Sāranātha, 1968.
4. Warder, A.K., *Introduction to Pāli*, London, 1974.
5. Warder, A.K., *Pāli Metre*, London, 1967.
6. *Bālāvatāra* (Ed.) Swami Dwarikadasa Shastri, Bauddha Bharati, Varanasi, 1975.
7. *Pali Vyākaraṇa* (3rd Ed.) by Bhikshu Dharmarakshit, Jnana Mandala Pvt. Ltd, Varanasi, Samvat, 2028.
8. Buddhadatta, A.P., *The Higher Pāli Course*, Colombo, 1951.
9. Buddhadatta, A.P., *The New Pāli Course*, 2 parts, Colombo, 1946.
10. Law, B.C., *History of Pāli Literature*, 2 volumes; Kegan Paul Trubner& Co. Ltd., London, 1970.
11. Winternitz, M., *A History of Indian Literature*, 2 volumes, New Delhi, 1968.
12. Upadhaya, B.S., *Pāli Sāhitya Kāltihāsa*, Hindi Sāhitya Sammelana, Prayāgarāja, 2008.
13. Dalwis, James, *Introduction to Kachchāyan's Grammar of the Pāli Language*, Colombo, 1863.
14. Muller, E, *A Simplified Grammar of the Pāli Language*, Trübner& Co, London, 1884.
15. Kumar, Bimalendra, *Gandhavaṃsa (History of Pāli Literature)*, Eastern Book Linkers, Delhi, 1992.
16. Hazra, K. L., *Pāli Language and Literature* (2 vols.), New Delhi: D.K. Printworld(P)Ltd, 1998.


*******

**COURSE VIII - LANGUAGE IIC : प्राकृत भाषा एवं साहित्य** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : प्राकृत भाषा–** अंक–16

1. उत्पत्ति, परिभाषा एवं विकास।
2. प्रथमस्तरीय प्राकृत, मध्यंस्तरीय प्राकृत, तृतीय स्तरीय प्राकृत एवं आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास में प्राकृत भाषा का योगदान।
3. वैदिक साहित्य में प्राकृत भाषा के तत्त्व।

**इकाई–2 : प्राकृत व्याकरण–** अंक–16

1. कारक, सन्धि, समास, क्रिया, तद्धित, कृदन्त।
2. रूपतत्त्व : शब्दरूप एवं धातुरूप।

**इकाई–3 : अर्धमागधी आगम साहित्य–** अंक–16

1. अंग साहित्य, द्वादश अंग, उपांग साहित्य और द्वादश उपांग।
2. छेदसूत्र, मूलसूत्र, प्रकीर्णक और चूलिका।

**इकाई–4 : शौरसेनी आगम साहित्य–** अंक–16

1. शौरसेनी टीका साहित्य।
2. आचार्य कुन्दकुन्द की रचनाएँ।

**इकाई–5** : पउमचरियम् (कुछ अंश) अंक–16

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रा0 लि0, इलाहाबाद, 1951।
2. अभिनव प्राकृत व्याकरण, नेमिचन्द शास्त्री, तारा पब्लिकेशन्स, कमच्छा, वाराणसी, 1963।
3. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नेमिचन्द शास्त्री, तारा पब्लिकेशन्स, कमच्छा, वाराणसी, 1966।
4. प्रौढ़ प्राकृत अपभ्रंश रचना सौरभ भाग–2, कमल चन्द सौगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जैन विद्या संस्थान, जयपुर (राजस्थान), 2003।
5. प्राकृत भाषाओं का व्याकरण, रिचर्ड पिशल, अनुवादक हेमचन्द्र जोशी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1958।
6. प्राकृत वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती, लाडनूँ ,राजस्थान 1991।
7. जैन साहित्य का बृहद् इतिहास, वेचर दास जोशी, प्रकाशक पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी, 1966।
8. प्राकृत साहित्य का इतिहास, जगदीश चन्द जैन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1961।
9. शौरसेनी प्राकृत भाषा एवं साहित्य का इतिहास, इन्दु जैन, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2011।
10. कुन्दकुन्दभारती, कुन्दकुन्दाचार्य, श्रुत भण्डार व ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फल्टन, महाराष्ट्र, 1970।
11. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान, हीरालाल जैन, मध्य प्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल, 1962।
12. जैन साहित्य का इतिहास, कैलाश चन्द्र शास्त्री, श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, भदैनी, वाराणसी,1963।
13. Introduction to Prakrit, A. C. Woolner, New Delhi, 1917.


*******

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University

## THIRD SEMESTER

**COURSE IX - PRINCIPLES III : पुनर्जन्म–बन्धन–मोक्ष–विमर्श** (अनिवार्य)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. जीव की अवधारणा।
2. बंधन की परिभाषाएँ।
   बन्धन की कोटियाँ : प्राकृतिक, वैकृतिक और दाक्षिणक (सांख्यकारिका 44, सांख्यतत्त्वकौमुदी)।
3. बन्धन का मूल कारण (गीता 3.37–3.43) तथा बन्धन की प्रक्रिया (गीता 2.62–67);
   अज्ञान (वेदान्त), मिथ्याज्ञान (न्याय), मिथ्यादृष्टि (बौद्ध), अविवेक (सांख्य)।

**इकाई–2** अंक–16

1. पुनर्जन्म का सिद्धान्त–
   अ) धर्म अभ्यास का संबल।
   ब) विनाश–भय के विचलन से ऊपर उठना।
2. प्रक्रिया : प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धान्त (बौद्ध)।

**इकाई–3** अंक–16

1. औपनिषद् दृष्टि
2. दार्शनिक दृष्टि
3. आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि

**इकाई–4** अंक–16

1. मोक्ष का अर्थ एवं परिभाषाएँ।
2. मोक्ष– दुःख निवृत्ति–
   अ) परम (अनन्त असीम) आनन्द उपनिषद् की दृष्टि में।
   ब) जीवन्मुक्ति और विदेहमुक्ति (उदाहरण)।
   स) संन्यासी और गृहस्थ के लिए मोक्षविषयक पूर्वापेक्षाएँ।

**इकाई–5** अंक–16

1. मोक्ष मार्ग का निर्धारण–
   अ) विभिन्न योगमार्ग : अभ्यास, कर्म, भक्ति, ज्ञान।
   ब) भक्ति परम्परा एवं उसका योगदान।
2. आचार्यों की भूमिका।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. ऋग्वेद संहिता, 10वाँ मण्डल, 57वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।
2. बृहदारण्यकोपनिषद्, द्वितीय (श्वेतकेतु), तृतीय तथा नवम ब्राह्मण, गीताप्रेस संस्करण, 1915।
3. कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, प्रथम संस्करण, 1983।
4. मुण्डकोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, प्रथम संस्करण, 2019।
5. श्वेताश्वतरोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, तृतीय संस्करण, 1949 ।
6. कौषीतकि ब्राह्मणोपनिषद्।
7. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस, गोरखपुर ।
8. सनातनधर्मोद्धारः (भाषा–भाव–प्रभाटीकासमेतः)(खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।
9. भक्तमाल, नाभादास, स्वामी रामभद्राचार्य की मूलार्थबोधिनी टीका के साथ प्रकाशित, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तरप्रदेश, 2014।
10. भगवद्भक्तिरसायनम्, मधुसूदन सरस्वती, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी,।
11. गीताव्याख्यानमाला, गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2006।
12. मैत्र्युपनिषद्, सं. रामतीर्थ पाण्डेय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रथम संस्करण, 2001।
13. सांख्यतत्त्वकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012।
14. Indian Philosophy vol. 1, Judunath Sinha, New Central Book Agency, Calcutta, Second revised book, 1987.
15. *The development and place of Bhakti in Śaṅkara Vedānta*, Ādyā Prasād Mishra, Munshiram Manoharlal, Delhi, 1967.


*******


Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016

(अनिवार्य)

## COURSE X – PRACTICS I : रामायण

पूर्णांक : 100 (80+20)

अंक–16

**इकाई–1**

1. रामायण इसका पाठ निर्धारण तथा विस्तार– भारत तथा विदेशों मे–
   अ) रामकथा का वैदिक आधार।
   ब) मूलकथा की दिव्योत्पत्ति के पारम्परिक ग्रन्थ; जो उसी रूप में महर्षि वाल्मीकि के रामायण मे वर्णित।
   स) भारत से बाहर विकसित (श्रीराम–)श्रद्धापरक, जो महर्षि वाल्मीकि की मूल कथा से बहुत अधिक भिन्न हैं।

अंक–16

**इकाई–2**

1. पारम्परिक रामायणों की लोकप्रियता तथा प्रासंगिकता।
2. रामायण एक उपजीव्य ग्रन्थ : भारतीय साहित्य एवं कला (लोककला, शास्त्रीय कला तथा समकालीन कला)।
3. अध्यात्म रामायण, कम्बन, कृतिवास, बलराम, आनन्द, अभूत, तुलसी

**इकाई–3**

1. मर्यादापुरुषोत्तम राम।
2. रामायण में मानवीय तथा मानव–प्रकृति सम्बन्ध।

अंक–16

**इकाई–4**

1. समाज में ऋषियों की भूमिका : नायक निर्माता के रूप में।
2. रामायण में स्त्रीविमर्श : सीता, मन्दोदरी, तारा, अनुसूया, कैकेयी, उर्मिला के सन्दर्भ में।

अंक–16

**इकाई–5** : रामराज्य (राम–भरत संवाद– वाल्मीकि रामायण)।

अंक–20

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन**

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण 17, 2002।
2. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, (भाग 1–4), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, न्यू हैदराबाद, लखनऊ, 1998
3. रामायण–महाभारत, काल, इतिहास, सिद्धान्त, पोद्दार वासुदेव, 'प्रज्ञाभारती' भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड(आर्षकाव्य) रामायण, उत्तर प्रदेश संस्कृत सस्थानए न्यू हैदराबाद, लखनऊ।
5. इतिहास पुरुष द कास्मिक पैसेज ऑफ टाइम, पोद्दार वासुदेव, अनुवादक माधवराव सप्रे।
6. रामायणमीमांसा, धर्मसम्राट् हरिहरानन्द सरस्वती करपात्री स्वामी, प्रकाशक राधाकृष्ण धानुका प्रकाशन संस्थान, रमणरेती, वृन्दावन, पिन– 281121, मथुरा, नवम्बर 2001।
7. रामकथा in India Abroad-Satyabrat Shastri


*******

(वैकल्पिक)

## COURSE XI – DISCIPLINE IA : लोकवार्ता

पूर्णांक : 100 (80+20)

अंक–16

**इकाई–1 : लोकवार्ता का अर्थ और अवधारणात्मक सातत्य–**

(अ) जन की अवधारणा– वैदिक एवं पुराण साहित्य के सन्दर्भ में।
(ब) जीवोपत्ति की अवधारणा–वैदिक–पुराण, संस्कृतादि वाङ्मय में।
(स) लोक की अवधारणा– संस्कृत पालि एवं प्राकृत वाङ्मय में।

अंक–16

**इकाई–2 :**

(अ) लोकवार्ता– अर्थ, परम्परा एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य।
(ब) लोक और वेद, लोक और शास्त्र– अन्तःसम्बन्ध।

अंक–16

**इकाई–3 : भाषा और साहित्य–**

(अ) लोकभाषाएँ, लोकसाहित्य– अर्थ एवं परम्परा।
(ब) जनजातीय वाचिक साहित्य।
(स) लोककथाएँ, लोकगीत– स्वरूप एवं विषय–वस्तु।

अंक–16

**इकाई–4 : लोकधर्म, विश्वास तथा संस्कृति–**

(अ) विश्वदृष्टि, देवी–देवता, पूजापद्धति एवं उपासना, व्रत, पर्व, त्यौहार, मेले और यात्राएँ।

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

(ब) लोकविश्वास, शकुन–अपशकुन विचार, भूत–प्रेत तथा जादू–टोना इत्यादि
(स) सामाजिक नियम, आचार–व्यवहार पद्धति

**इकाई–5 : ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल–** **अंक–16**

(अ) प्रत्यक्ष प्रकृति दर्शन
(ब) मौसम विज्ञान, कृषि तथा देशज चिकित्सा।
(स) लोकाख्यान, लोकनाट्य, धर्मगाथाएँ, लोककलाएँ, भूमि एवं भित्ति अलंकरण।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** **अंक–20**

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. गाथासप्तशती, सातवाहन हॉल, निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई, 1933।
2. भारतीय आदिवासी (उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि), ललित प्रसाद विद्यार्थी, हिन्दी समिति, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन मार्ग, हिन्दी भवन, लखनऊ, 1975।
3. रचना संचयन, वासुदेवशरण अग्रवाल, कपिला वात्स्यायन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2012।
4. लोक साहित्य विज्ञान, सत्येन्द्र, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा, द्वितीय संस्करण, 1971।
5. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 2019।
6. लोक संस्कृति की रूपरेखा, कृष्णदेव उपाध्याय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 2019।
7. हमारे देवी–देवता, सस्ता साहित्य मण्डल, राधावल्लभ त्रिपाठी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2017।
8. भारतीय प्रतीकों का लोक, श्याम सुन्दर दुबे, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2017।
9. उत्तर प्रदेश की लोककला भूमि एवं भित्ति अलंकरण, विमला, जयश्री प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथमसंस्करण, 1987।
10. लोक में भारत की अन्तर्व्याप्ति, कपिल तिवारी, नेहा तिवारी, भारतनीतिप्रतिष्ठान, नईदिल्ली, प्रथमसंस्करण, 1916।
11. लोक और शास्त्र अन्वय और समन्वय, दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1915।
12. कला और संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1952।
13. जनपदीय अध्ययन की भूमिका, सदानन्द शाही, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, का.हि.वि.वि., वाराणसी, 2017।
14. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1960।
15. लोकगीत संग्रह, रामनरेश त्रिपाठी।
16. लोकगीतों की सामाजिक व्यवस्था, श्रीकृष्ण दास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1956।
17. हमारा ग्राम्य साहित्य, रामनरेश त्रिपाठी, हिन्दी मन्दिर, प्रयाग, 1940।
18. लोकवार्ता, सं. पीयूष दाहिया, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर, राजस्थान, 2002।
19. *Ancient Indian Folk Cults*, Vasudev Sharan Agrawal, Prithvi Prakashan, Varanasi, First Edition, 1970.


*******

## COURSE XI – DISCIPLINE IB : भारतीय नीतिशास्त्र (वैकल्पिक)

**पूर्णांक : 100 (80+20)**

**इकाई–1 :** **अंक–16**

(1) आचारशास्त्र का इतिहास और स्वरूप। (मनु, याज्ञवल्क्य, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता–17 अध्याय)

**इकाई–2 :** **अंक–16**

(1) नैतिक शिक्षाओं के विविध रूप– प्रभुसम्मित, सुहृत्सम्मित एवं कान्तासम्मित उपदेश।
(2) सनातन धर्म के आधारभूत नैतिक सिद्धान्त : (स्वामीविवेकानन्द, अरविन्दो, दयानन्द, गॉधी, मालवीयादि)

**इकाई–3 :** **अंक–16**

(1) नीति ज्ञान के स्रोत तथा साधन।
(2) नैतिक चेतना का विकास : मानवीय मूल्य का आधार और आत्मनियन्त्रित मूल्य (प्रायश्चित्त विधान)।
(3) मौलिक नैतिक सम्प्रत्ययः शुभ तथा अशुभ, न्याय तथा अन्याय, पुण्य तथा पाप, अधिकार तथा कर्त्तव्य।
(4) नैतिक निर्णय (दैवी तथा आसुरी, सम्पत्– श्रीमद्भगवद्गीता)।

**इकाई–4 :** **अंक–16**

(1) ऋण की अवधारणा।
(2) कर्मस्वातन्त्र्य, संकल्पस्वातन्त्र्य का सिद्धान्त, कर्त्तव्यवाद (श्रीमद्भगवद्गीता)।
(3) पुरुषार्थचतुष्टय (महाभारत)।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016

**इकाई–5 :** **अंक–16**

(1) अनुप्रयोगात्मक आचार पद्धतियों के महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ– पंचतन्त्र,

कौटिलीय अर्थशास्त्र, चरक तथा सुश्रुत संहिता से।

(ब) व्यावहारिक वेदान्त।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक 20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री--**


1. सनातनधर्मोद्धार (खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक– श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, 1912।
2. आत्रेय, भीखनलाल, भारतीय नीति–शास्त्र का इतिहास, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, प्रथम संस्करण, 1964।
3. रघुनाथ गिरि : आचारशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2009।
4. तिलक, बालगंगाधर, गीता रहस्य, पिलग्रीम्स प्रकाशन, वाराणसी, 2014।
5. महाभारत, वेदव्यास, पंडित श्रीपालसातवलेकर स्वाध्याय मण्डल पार्डी जिला बालसड़, प्रथम संस्करण, 1968।
6. श्रीमद्भगवद्गीता, मधुसूदन शास्त्री (सविमर्श 'बालक्रीड़ा') हिन्दी टीका सहित, संवत् 2000।
7. अर्थशास्त्र, श्रीयुत प्रमथनाथ विद्यालंकार (मोतीलाल बनारसी दास), संवत् 1990।
8. पंचतन्त्र, गंगासागर राय (विष्णुशर्मा रचित ज्योत्सना–मृदुला संस्कृत ग्रन्थ सुधाकर मालवीय, 2014।
9. वाल्मीकिरामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2016।
10. चरकसंहिता (1–4 भाग), चक्रपाणिदत्त विरचित आयुर्वेददीपिका व्याख्या एवं आयुर्वेददीपिका की तत्त्वप्रकाशिनी हिन्दी व्याख्या, लक्ष्मीधर द्विवेदी, चौखम्बा ऑफिस भवन।
11. सुश्रुतसंहिता, आयुर्वेदतत्त्वसंदीपिका व्याख्योपेता, संदीपिका हिन्दी टीका सहित, सं0 अम्बिकादत्त शास्त्री।
12. काव्यप्रकाश, मम्मट (प्रथम उल्लास), गजानन शास्त्री मुँसलगाँवकर, चौखम्बा, वाराणसी।
13. Ratna Dutta Sharma and Indrani Sanyal, *Dharmanīti o Sruti*, Mahabodhi Book Agency with Jadavpur University, 2009.
14. Dikshit Gupta, *Nītividyā*, Paschimbanga Rajya Siksha Parishad, 2007.
15. Sailajakumar Bhattacharya, *Vedic Ethics*, Allied Publishers, 2000.
16. Amita Chatterjee, *Bhāratīya Dharmanīti*, Jadavpur University Press, 2013.
17. N.K. Brahma, *Philosophy of the Hindu Sādhanā*, London, 1934.
18. Surama Dasgupta, *Development of Moral Philosophy in India*, Munshiram Manoharlal Publishers, New Delhi, 1994.
19. Saral Jhingram, *Aspects of Hindu Morality*, Motilal Banarsidass Publ., Delhi, 1989.
20. B.K. Matilal, *Ethics and Epics*, Oxford University Press, Oxford, 2002.
21. Sitansu S. Chakravarti, *Ethics of the Mahābhārata*, Munshiram Manoharlal Publishers, Delhi 2006.
22. Swami Vivekananda : *Practical Vedānta*, Calcutta : Adaaita Ashrama, 1964 Sri Aurobindo : *The Life Divine*.
23. भतृहरि–नीतिशतकम्, विदुरनीति, चाणक्यनीति, शुक्रनीति।


*******

## COURSE XII – DISCIPLINE IIA: नाट्य

(वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

(अ) भरतमुनि का नाट्यशास्त्र : महत्त्व एवं संरचना।

(ब) नाट्य का उद्भव, स्वरूप और महत्त्व।

(स) प्रेक्षागृह।

**इकाई–2** अंक–16

(अ) करण और अंगहार, संस्कृत नाटक के प्राथमिक तत्त्व (पूर्वरंग)।

(ब) रस, भाव, अभिनय– आंगिक तथा वाचिक (नाटक के संवाद तथा उसकी प्रस्तुति)।

(स) सात्त्विक (अभिनय का भावपूर्ण पक्ष) आहार्य (साजसज्जा, परिधान, रंगसामग्री निर्माण तथा उपयोग)।

**इकाई–3** अंक–16

(अ) दशरूपक और अठारह उपरूपक (स्वरूप और संरचना), धर्मी (रंगमंच प्रस्तुतीकरण के द्विविध प्रारूप), वृत्ति (चतुर्विध), प्रवृत्तियाँ (चतुर्विध)।

(ब) स्वर, आतोद्य (यन्त्र संगीत) और सिद्धि।

**इकाई–4** अंक–16

(अ) संस्कृत नाटक का संक्षिप्त इतिहास।

(ब) भारतीय लोकरंगमंच परम्परा : एक प्रस्तावना।

सहायक कुलसचिव (Acad.)
Assistant Registrar (Acad.)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
कैम्पस सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
Campus Institutional Area, New Delhi-110016

इकाई–5 अंक–16

नाट्यशास्त्र की परवर्ती परम्परा

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन अंक–20

संस्तुत पाठ्यसामग्री–


1. दशरूपकम् (अवलोकसहित), धनंजय व धनिक, काशीनाथ पाण्डुरंग परब, निर्णयसागरमुद्रणालय, मुम्बई, शक 1819।
2. दशरूपकम्, साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग 4.1, सम्पादक रेवाप्रसाद द्विवेदी, सदाशिव कुमार द्विवेदी, प्रकाशक– कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी, पोस्ट काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी 221005, 2019।
3. दशरूपकम् (अवलोकसहित), धनंजय व धनिक, अनुवादक रामजी उपाध्याय, भारतीयविद्यासंस्थान, वाराणसी–2।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रकाशन कालिदास संस्थान, 28 महामनापुरी कालोनी, पो. का.हि.वि.वि., वाराणसी–221005।
5. *Nāṭyaśāstra of Bharatmuni* with English Translation of Manmohan Gosh (Calcutta) Hindi Translation, Shree Bābulal Shukla. .
6. *Sangīta-Ratnākara* with any standard translation.
7. *Natyaśāstra(Kāvyalakṣaṇakhaṇḍa)* Hindi Translation & Gloss, Ed. & Translator, Rewa Prasad Dwivedi, Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla & Aryan Books International, New Delhi, 2005.
8. *Bharata, the Nāṭyaśāstra* by Kapila Vatsyayan, Sahitya Academy, New Delhi, 1996.
9. *Nātya Saṁgaraha*, Dr. Radhaballabh Tripathi.
10. *History of Hindu Drama*, Ghose, M.M., Calcutta Firma, 1957.
11. *The Oxford Companion to Indian Theatre*, Editor: Aanand Lal, Oxford University Press, 2004.
12. *A New Bibliography of Sanskrit Drama*, Radha Vallabh Tripathi, Pratibha Prakashan, New Delhi, 1998.
13. *Samskrita Drama*, A.B. Kieth.
14. *The History of the Classical Sanskrit Literature*, M.Krishnmachāriyar. Vaijayanti Press, Madras, 1906.
15. *Hindu Drama*, (vol. ICPR) Author K.D. Tripathi, Ed. N.S.S. Raman.
16. *Traditional Indian Theatre Multiple Streams*, Kapila Vatsyayan, National Books Trust, New Delhi, 1986.
17. *The Traditional Indian Theatre*, Varad Pandey, New Delhi, 1979.


*******

**COURSE XII – DISCIPLINE IIB : तुलनात्मक धर्म** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

अ) तुलनात्मक धर्म का अध्ययन और इसका उद्देश्य।

ब) हिन्दू धर्म के धार्मिक सिद्धान्त : वैदिक तथा आगमिक वाङ्मय।

स) धार्मिक बहुलता, धार्मिक अनन्यता और धर्मों की एकता।

द) धार्मिक अनुभूति का स्वरूप।

**इकाई–2** अंक–16

अ) वेदमूलक धर्म– वैष्णव, शैव एवं शाक्तमत।

ब) हिन्दू, बौद्ध और जैन प्रस्थानों में समावेशीकरण के तत्त्व।

**इकाई–3** अंक–16

अ) ईरानी धर्म (ज़रथुस्त्र : सिद्धान्त और व्यवहार)।

ब) सिक्ख धर्म : उत्पत्ति और विकास।

स) भारतवर्ष का इस्लाम तथा ईसाई धर्म से परिचय।

द) भारतवर्ष में नवीन धार्मिक आन्दोलन तथा उनके अनुयायी।

**इकाई–4** अंक–16

अ) पवित्रता का प्रत्यय, धार्मिक ग्रन्थ की अवधारणा और धर्म से इनका सम्बन्ध।

ब) धर्मविज्ञानीय अभिकथन के प्रकार तथा धार्मिक भाषा की संरचना।

स) भारतीय धर्म में आख्यान, रूपक और प्रतीक का स्वरूप और अर्थ।

द) शंकराचार्य और उदयनाचार्य का महान् अवदान।

**इकाई–5** अंक–16

अ) त्रिविध दुःख तथा सिमेटिक धर्म में मूल पाप की अवधारणा।

ब) धर्मान्तरण, अन्तर्धार्मिक संघर्ष।

स) बीसवी शताब्दी में सार्वभौम धर्म की अवधारणा।

सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, ... Institutional Area, New Delhi-110016

द) धर्मवाद एवं विज्ञानवाद।
इ) तुलनात्मक धर्म के सिद्धान्तकारों का सामाजिक दायित्व।

अंक–20

इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन

संस्तुत पाठ्यसामग्री–


1. ईश्वरप्रतिपत्तिप्रकाश, मधुसूदनसरस्वती, हिन्दी अनुवाद रेताप्रसाद द्विवेदी, प्र. काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, 28 महामनापुरी, वाराणसी 221005, 2019।
2. शांकरज्योति (मनीषापंचक), सोमस्कन्दन, पयस्वती प्रकाशन, करौंदी, वाराणसी, 2004।
3. निगम–आगम समन्वय, अयाचित प्रकाशन श्री पीताम्बरा पीठ, दतिया।
4. भारतीय धर्म दर्शन, आचार्य बलदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2014।
5. वेद रहस्य, श्री अरविन्द, श्री अरविन्द आश्रम, पाण्डीचेरी, 2015।
6. Secred books of the east, Chief Editor Maxmular.
7. Secred books of Hindu series, editor S.C. Basu.
8. *Religion a discourse in realist philosophy*, Pradyotkumar Mukhopadhyaya, University of Calcutta, 2014.
9. *Religious Language and Others Papers*, edited by N. S.S. Raman, Dept. of Philosophy, Banaras Hindu University, Varanasi.
10. *Reconstruction of Religious Thought in Islam*, M. Iqbal, Lahore: Ashraf, 1980.
11. Religion of Man, R. Tagore, Religion of Man, London; Unwin Books, 1961.
12. *Buddha and His Dhamma* in *Writings and Speeches*, B.R. Ambedkar, Bombay: Educational Dept., Govt of Maharashtra.
13. *The Quest History and meaning in Religion*, Mircea Eliade, the University of Chicago Press, 1984.
14. *The Sacred & The Profane The Nature of Religion*, Mircea Eliade, A Harvest Book World, New York, 1956.
15. *Knowing Beyond Knowledge*, Thomas A. Forsthoefel, Motilal Banarasidass, 2007.
16. *Philosophical Foundation of Hinduism*, R.S Mishra, Munshiram Manoharlal Pub, 2002.
17. *Who are the Sudras?* and *The Annihilation of Caste* in *Writings and Speeches*, B.R. Ambedkar, Bombay: Educational Dept. , Govt of Maharashtra.S.K. Maitra, *The Ethics of the Hindus*, Calcutta University Press, 1925.
18. *Classical Indian Ethical Thought: A Philosophical Study of Hindi, Jaina and Buddhist Morals*, Kedar Nath Tiwari, Motilal Banarsidass Publishers, 1998.
19. Ernst Cassirer, Language and myth, translated by Susanne K. Langer, Dover Publication New York, 1953.
20. Foundation of Indian Culture, Vol. I-II, G.C. Pandey, Motilal Banarsidas, 1990.
21. Neoscience in Indian Philosophy, C. N. Mishra, Mithila Research Institute, Darbhanga.
22. Vachaspati Mishra On Adwita Vedant, S.S. Hasurkar, Mithila Research Institute, Darbhanga.
23. शान्ति भक्तिः– आचार्य पूज्यपाद


*******

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016

# FOURTH SEMESTER

## COURSE XIII – PRACTICS II : महाभारत

(अनिवार्य)
पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. महाभारत का काल – पाठपरम्परा के पारम्परिक तथा आधुनिक स्रोत– युधिष्ठिर, कृष्ण एवं विक्रम संवत्।
2. मूल कथा तथा अन्य संस्करणों की समीक्षा (भारतीय तथा अन्य)।

**इकाई–2** अंक–16

1. एक सम्पूर्ण (विश्वकोश ग्रन्थ) जो धर्म और संसार की सूक्ष्मता के बारे में शिक्षित करे।
   क) धर्म के दश लक्षणों के बारे में दस कथायें : धृति (गंगावतरण), क्षमा (वशिष्ठ और विश्वामित्र), दम (ययाति और पुरु), अस्तेय (युधिष्ठिर–यक्ष सम्वाद), शौच (सैरन्ध्री–विराटपर्व), इन्द्रियनिग्रह (धर्मव्याध के इन्द्रियनिग्रह विषयक उपदेश), धी उपदेश (सावित्री), विद्या (मनुष्य–शेर–सॉप–हाथी की कथा–स्त्री पर्व), सत्यम् (हरिश्चन्द्र / सत्यकाम) अक्रोध (विदुर)।

**इकाई–3** अंक–16

1. महाभारत भारतीय साहित्य, कला (लोक, शास्त्रीय तथा समकालीन कलाओं) के लिए उपजीव्य काव्य (संदर्भ ग्रन्थ)।

**इकाई–4** अंक–16

1. विदुरनीति तथा भगवद्गीता (सामान्याध्ययन)।
2. राजनीति तथा शासन के सम्बन्ध में भीष्म का युधिष्ठिर को उपदेश।

**इकाई– 5** अंक–16

1. भारतवर्ष की भौगोलिक एवं राजनीतिक सीमाएँ।
2. स्त्रीविमर्श।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. महाभारत, वेदव्यास, अनुवादक– श्रीपाद शास्त्री सातवलेकर, प्रकाशन– स्वाध्याय मण्डल, पारडी बालसड, 1968।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड– आर्षकाव्य (महाभारत), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, प्रथम संस्करण, विक्रम संवत् 2057 (2000 ई.)।
3. महाभारतम् (संक्षिप्त दो खण्ड), महर्षि वेदव्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर, 1946।
4. *Social & Political Implications of Concepts of Justice and Dharma,* Chousalkar Ashok S., Mittal Publications, Delhi, 1986.
5. *Moral Dilemmas in the Mahābhārata,* B.K. Matilal, Indian Institute of Advanced Study, Shimla and Motilal Banarsidas, New Delhi, 1989.
6. *Ethics and Epics,* B.K. MatilalOxford University Press, Oxford, 2002.
7. *Ethics of the Mahābhārata,* Sitansu S. Chakravarti, Munshiram Manoharlal Publishers, Delhi, 2006.
8. *The Dialogic Imagination : Chronatope and Heteroglossia,* Ed. by Michael Halquist, Austin and London, University of Texas Press, 1981.


*******

## COURSE XIV – PRACTICES IIIA : पुराणपरिचय

(वैकल्पिक)
पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 :** अंक–16

1. पुराण शब्द का अर्थ। अष्टादश पुराण और उपपुराण परिचय, पुराणों के द्वारा वेदों का उपबृहण।
2. पुराण पंच लक्षण, पुराणों तथा आगम का अन्तःसम्बन्ध।
3. पुराणों में कालगणना।

**इकाई–2 :** अंक–16

1. धर्म, दिनचर्या, संस्कार, अतिथि सत्कार की अवधारणा।
2. तप, यज्ञ, दान एवं क्रिया (इष्ट–आ–पूर्त–दत्त)।
3. व्रत एवं उपासना पद्धति।

Assistant Registrar (Academic)

इकाई–3 : अंक–16

1. पुराणों में भारतीय जन, भाषा तथा भूगोल का वर्णन– संस्कृत, एकीकरण की भाषा के रूप में।
2. आख्यान एवं उपाख्यान : परिभाषा।
3. पुराणों में ऋषि एवं ऋषिकायें (बृहद्देवता प्रोक्त 27 ऋषिकायें)।

इकाई–4 : अंक–16

4. पुराणों में कतिपय विशिष्ट स्त्री तथा पुरुष चरित–
   – वेदव्यास, दधीचि, मान्धाता, मुचकुन्द, नहुष, रन्तिदेव, राम, भरत, अम्बरीष, पुरंजन।
   – पार्वती, अनुसूया, अहिल्या, सीता, मन्दोदरी, कुन्ती, द्रौपदी।

इकाई–5 : अंक–16

(1) द्वादशारण्य। (2) सप्तपुरियाँ। (3) तीर्थस्थल चार धाम। (4) द्वादश
(5) ज्योतिर्लिंग। (6) 52 शक्तिपीठ। (7) सप्तद्वीप।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. पुराणपरिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1970।
2. पौराणिक कोश, राणा प्रताप शर्मा, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, वि.सं. 2014।
3. अष्टादशपुराणदर्पण, ज्वालाप्रसाद मिश्र, वेंकटेश्वर प्रेस, मुम्बई, 1993।
4. पुराणपर्यालोचन, कृष्णमणि त्रिपाठी, सं. विश्वनाथ पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 1976।
5. पुराणविमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1965।
6. व्रतपरिचय, हनुमान शर्मा, गीताप्रेस, गोरखपुर, संव 2058।
7. सनातनधर्मोद्धारः (भाषा–भाव–प्रभाटीकासमेतः)(खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।
8. पुराणों में कुछ भौगोलिक सन्दर्भ – वायुपुराण–1/ 34–35; ब्रह्माण्डपुराण– 2/15; मत्स्यपुराण–1/21; श्रीमद्भागवत– 5/16–20; विष्णपुराण– 2/2–6; मार्कण्डेयपुराण– 51–57; नारदपुराण– 30; पद्मपुराण– सृष्टिखण्ड, 3–9; कूर्मपुराण– 1/44–49; वाराहपुराण– 7/4–99; ब्रह्मपुराण– 1/8–26; देवीपुराण– 8/4–13; लिङ्गपुराण– 1/46; गरूडपुराण–1/54–57; शिवपुराण–3/17–18 आदि।
9. *Puranic Records on Hindu Rites and Customes*, R.C.Hazara, Motilal Banarasidas, New Delhi 1975
10. Ancient Historical Tradition, Pargiter F.E, Nabu Press, 2010.
11. *Geography, People and Geodynamics of India in Purānas and Epics*, Valdiya K.S, First Ed., Aryan Books International Publication, New Delhi, 2012.
12. *Geographical Concepts in Ancient India*, Bechan Dubey, National Geographical Society of India, Banaras Hindu University, Varanasi, 1967.
13. *Geographical Horizon of The Mahabharat*, S.N.Pandey, Bharat Bharati Publication, Durgakund, Varanasi, 1980.
14. The Geographical Information in Skand Puran, U. K. Jha, Mithila Research Institute, Darbhanga.


*******

**COURSE XIV- PRACTICES IIIB : भारतीय स्थापत्य** (वैकल्पिक)
पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : भारतीय स्थापत्य का उद्भव व विकास–** अंक–16

(अ). आगम : देवालय एवं देवप्रतिमा।
(ब). साहित्यिक सन्दर्भ।
(स) पुरातात्त्विक सन्दर्भ।

**इकाई–2 : आरम्भिक स्थापत्य–** अंक–16

(अ). वैदिक साहित्य विशेषरूप से श्रौत सूत्रों (श्रौत एवं शुल्ब) में वर्णित सन्दर्भ।
(ब). वास्तुपुरुष की अवधारणा उसका शैलीगत आवर्तन।
(स). पुरातात्त्विक संरचनाओं के आधार पर सिन्धु सभ्यता के स्थापत्य का अध्ययन।
(द). स्तूप और गुहा वास्तु (पूर्वी व पश्चिमी भारतीय) का उद्भव व विकास।
(इ) मौर्य प्रासाद।

**इकाई–3 : मन्दिर स्थापत्य का उद्भव, विकास एवं उनका शास्त्रीय स्वरूप–** अंक–16

(अ) मन्दिर स्थापत्य की मुख्य शैलियाँ : नागर, वेसर एवं द्राविड।
(ब) गुप्तकालीन मन्दिर : विकास और विशेषताएँ।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
पी–5, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
P-5, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

इकाई–4 : अंक–16

(अ)उत्तर भारत के मन्दिर (ओसियाँ (राजस्थान), खजुराहो, कश्मीर, भुवनेश्वर, कोणार्क और मोढेरा के सन्दर्भ में)।

(ब) दक्षिण भारत के मन्दिर (ऐहोल, ऐलोरा, महाबलीपुरम, कांचीपुरम, तंजौर, मदुरै के सन्दर्भ में)।

इकाई–5 : शाला, दुर्गविधान तथा नगरयोजना– अंक–16

(अ) रंगशाला।

(ब) सभा।

(स) दुर्गविधान।

(द) सामाजिक निर्मिति (आवास, धर्मशालाएँ, आश्रम एवं विद्यास्थान)।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. अथर्ववेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पारडी, जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
2. महाभारत, गीताप्रेस संस्करण, 2017।
3. विष्णुधर्मोत्तरपुराण (तृतीय खण्ड), गीता प्रेस संस्करण, सवत् 2076।
4. अग्निपुराण, गीताप्रेस संस्करण, 2016।
5. मत्स्यपुराण, गीताप्रेस संस्करण, 2016।
6. अर्थशास्त्र, श्रीयुत प्राणनाथ विद्यालंकार, प्र. मोतीलाल बनारसीदास, चौक, वाराणसी, 1990।
7. समराङ्गणसूत्रधार, टी.गणपतिशास्त्री, गायकवाडसंस्कृतग्रन्थमाला, क्रमांक–25, केन्द्रीयपुस्तकालय, बडोदरा, 1929
8. वास्तुविद्या, सम्पादक एवं अनुवादक डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू', चौखम्बा सस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 2016।
9. **प्रमाणमंजरी, सर्वदेव, सं. प्रियबाला शाह, ओरियण्टल सीरिज, बड़ौदा, गुजरात, 1958।**
10. **मानसोल्लास (भाग 1–3), सोमेश्वर द्वितीय, सम्पादक डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू', चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 2019।**
11. भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृतीय संस्करण, 2020।
12. भारतीय कला, वासुदेवशरण अग्रवाल, पृथ्वी प्रकाशन, लंका, वाराणसी, 1966।
13. भारतीय वास्तुकला का इतिहास, कृष्ण दत्त वाजपेयी, उत्तरप्रदेशहिन्दीसंस्थान, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, 2015.
14. भारतीय संस्कृति के आधार, श्री अरविन्द, अनु0 जगन्नाथ वेदालंकार एवं चन्द्रदीप त्रिपाठी, श्री अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी, तृतीय संस्करण, 2017।
15. भारत की चित्रकला, रायकृष्ण दास, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1936।
16. भारतीय मूर्तिकला, रमानाथ मिश्र, दिल्ली, 1978।
17. भारतीय मूर्तिकला, रायकृष्ण दास, काशी, संवत् 1978।
18. मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला, मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी और कमल गिरि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण, 2020।
19. *Vāstu-śāstra Hindu Science of Architecture*, Shukla D. N., Muraliram Manoharlal Publishers, New Delhi, 1993.
20. *Bharata, the Nāṭyaśāstra* (Six and Seventh Chapter), M. M. Gosh, Asiatic Society, Kolkata, 1950.
21. *Gupta Temple Architecture*, Agrawal, P.K., Prithavi Prakashan, Varanasi, 1968
22. *South Indian Paintings*, C. Sivaramamurti, National Musuem, New Delhi, 1968.
23. *Transformation of Nature in Art*, Coomaraswamy, Ananda K., Combridge Mass, 1934.
24. *Introduction to Indian Art*, Coomaraswamy, Ananda K. N. Delhi: Munshiram Manoharlal Pub., 1996.
25. *The Dance of Śiva*, Coomaraswamy, Ananda K., Rupa Publications, Pvt. Ltd., Reprint, 2014.
26. *Symbolism of Indian Architecture*, Coomaraswamy, Ananda K., Historical Research Documentation Programme, Jaipur, 1983.
27. *The Dharma- Chakra- Pravartana in Literature* and *Art*, Deena Bandhu Pandey, New Delhi, 1973.
28. *Silpa in Indian Tradition*, Mishra, R.N., Aryan Books International, New Delhi, 2009.
29. *Temples of India*, Vols. 1 -2, Deva, Krishna, Archaeological Survey of India, New Delhi, 1995.
30. *The Hindu Temple*, Vols. 1-2, Kramrisch, Stella, Motilal Banarsidass, Delhi, 1976.
31. *The Art of India through the ages*, Kramrisch, S., Phaidon Press, London, 1954.
32. *The Art of Ancient India*, Huntington, S.L., Weather hill Publication, New York, 1985.
33. *Mathurā Sculptures*, Joshi, N.P., Sandeep Prakashan, New Delhi, 2004.
34. *Indian Architecture (Buddhist and Hindu Period)*, Brown, P., Taraporevala Sons and Company, Bombay, 1976.
35. *Architecturer Mānsāra*, Acharya P.K., Oxford University Press, London, 1934.
36. *Indian Art*, Agrawala, V.S., Prithvi Prakashan, Lanka, Varanasi, 1965.
37. *Gupta Art*, Agrawala, V.S., Prithvi Prakashan, Lanka, Varanasi, 1965.


*******

Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110 016

**COURSE XIV: PRACTICES IIIC : पाणिनीय एवं पाश्चात्य भाषाविज्ञान** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : पूर्व–पाणिनीय भाषाविज्ञान–** अंक–16

पूर्व–पाणिनीय भाषाविज्ञान का परिचय, पूर्व–पाणिनीय व्याकरण : ऐंद्र सम्प्रदाय (कातन्त्र व्याकरण) तथा शैव सम्प्रदाय (पाणिनीय व्याकरण); अष्ट व्याकरण : ब्रह्मा, चान्द्र, याम्य, रौद्र, वाचव्य, वारूण, सौम्य, वैष्णव।

**इकाई–2 : पाणिनीय भाषाविज्ञान–** अंक–16

नव व्याकरण: ऐन्द्रं, चान्द्रं, कात्स्यकृत्स्नं, कौमारं, शाकटायनं, सारस्वतं, आपिशलिं, शाकल्यं, पाणिनीयम्। पाणिनीय शिक्षा : वाक्–ध्वनि तथा छन्द : शास्त्रीय विशेषताएँ, अष्टाध्यायी का परिचय, माहेश्वरसूत्र की संरचना, शब्द क्या है? शब्दों का निर्माण, प्रातिपदिक की अवधारणा, सुबन्तं (Nominal Suffixes), तिङन्तं (Verbal Suffixes), अजन्त एवं हलन्त शब्दों का निर्माण, सन्धि (Morphophonemics/Morpho-Phonology), पाणिनि की अधिभाषा के नियम एवं प्रकार।

**इकाई–3 : वृत्ति एवं शाब्दबोध की अवधारणा–** अंक–16

वृत्ति की अवधारणा : समास (Compounding) वृत्ति, कृदन्त वृत्ति (Verbal Nouns) तथा तद्धित वृत्ति (Derivations), सनाद्यन्त धातु वृत्ति, वाक्य : कारक एवं विभक्ति, भारतीय व्याकरणीय परम्परा में शाब्दबोध सिद्धान्त: आकांक्षा (Establishing relations), सन्निधि (Planarity Constraint) एवं योग्यता (Semantic restrictions)।

**इकाई–4 : पाश्चात्य भाषाविज्ञान–** अंक–16

पाश्चात्य भाषाविज्ञान परम्परा : ब्लूमफील्ड, हॉकेट, ससुर, चॉम्स्की का परिप्रेक्ष्य, भाषाविज्ञान, भाषा का वर्णन, आधुनिक भाषाविज्ञान, पाणिनीय व्याकरण तथा सृजनात्मक व्याकरण, पाश्चात्य जगत में पाणिनि का प्रभाव।

**इकाई–5 : पाणिनीय भाषाविज्ञान के अनुप्रयोग–** अंक–16

संस्कृत संगणनात्मक भाषाविज्ञान का परिचय, Digital Lexical Resources: पद जनक (Word Generators), पदविश्लेषक (Word Analysers), सन्धिविच्छेदक (Sandhi Splitter), नामवाचक, क्रियापद; कृत, तद्धित जनक, समास जनक, अमरकोष का ज्ञान–अंतरजाल (Amarakosha), संस्कनेट (Sansknet), अन्विति (Concordances), संस्कृत वाक्य विश्लेषण (Sanskrit Parsing).

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. Allen, W. S. 1953. *Phonetics in Ancient India*. London: OUP.
2. Bharati, A. et al. 1995. *Natural Language Processing: A Paninian Perspective*. New Delhi: Prentice-Hall of India.
3. Belwalkar, S. K. 1975. *Systems of Sanskrit Grammars*. New Delhi: Bharatiya Vidya. Prakashan.
4. Bhattojidikshitia, 1969. *Vaiykaranasiddhantakaumudi*, Part – I and Part – II., Varanasi: Chowkamba Sanskrit Series Office.
5. Cardona, G. 1997. *Pāṇini: A Survey of Research*. Varanasi: Motilal Banarsidass Publication.
6. Ghosh, Manmohan. 1938. *Paniniya Shiksha*. Calcutta: University of Calcutta.
7. Jha, Vashishtha Narayan. 1992. *Pre- Pāṇinian Grammatical Traditions (Part-I). A Linguistic Analysis of the Rgveda Padapāṭha*. India: Sri Satguru Publications.
8. Kulkarni, A., 2019. *Sanskrit Parsing: Based on the Theories of Śābdabodha*. Indian Institute of Advanced Study, Shimla.
9. Kiparsky, P. and Staal, J.F., 1969. *Syntactic and semantic relations in Pāṇini. Foundations of Language*, pp.83-117.
10. Namboodiri, E.V.N. 2016. *Origin and Development of Modern Linguistics*. New Delhi: Crescent Publishing Corporation.
11. Rath, Gayathri. 2000. *Linguistic Philosophy in Vakyapdiya*. Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan.
12. Staal, J.F., 1972. *A Reader on the Sanskrit Grammarians*. London: Cambridge.
13. Subrahmanyam, P.S., 1997. *Pāṇini and Modern Linguistics*, Journal of the Inst. of Asian Studies, 15.
14. Subrahmanyam, P.S. 1999. *Pāṇinian Linguistics. Institute for the Study of Languages and Cultures of Asia and Africa*, Tokyo: Tokyo University of Foreign Studies.
15. Shastri, Ramnath Tripathy. (Ed.) 2014. *Sanskrit Vyakarana Sastra ka Itihasa*. (History of Sanskrit Grammar). Delhi: Chaukhambha Orientalia.


*******

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi

**COURSE XV – DISCIPLINE IIIA : साहित्यसिद्धान्त** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. वाङ्मय, साहित्य, काव्य तथा शास्त्र–परिभाषाएँ।
2. भारतीय काव्य परम्परा– वैदिक तथा लौकिक।
3. क्षेत्रीय भाषाओं में रचित काव्य।

**इकाई–2** अंक–16

1. साहित्य व काव्यरचना के प्रयोजन भारतीय दृष्टि।
2. साहित्य व काव्यरचना के आधार।
3. शब्दवृत्तियाँ।
4. अर्थनिर्धारण की पद्धतियाँ : ध्वनिसिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में।

**इकाई–3** अंक–16

1. साहित्यसमीक्षा के सिद्धान्त–
   (क) रस, अलंकार, रीति (गुण)
   (ख) ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य
2. सामाजिक का स्वरूप।
3. रस तथा भाव की अवधारणा।

**इकाई–4** अंक–16

1. साहित्यशास्त्र के अर्वाचीन सिद्धान्त– अलं ब्रह्मवाद, चमत्कारवाद, आस्वादवाद।

**इकाई–5** अंक–16

1. पाश्चात्य साहित्य समीक्षा सिद्धान्त का सर्वेक्षण।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, अनुवादक – पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1996।
2. काव्यादर्श, दण्डी, व्या. शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009।
3. काव्यलक्षण, दण्डी, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा।
4. काव्यालंकार, भामह, व्या. रामानन्द शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, चौक, वाराणसी, 2013।
5. साहित्यदर्पण, विश्वनाथ, व्या. शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2013।
6. काव्यालंकारसूत्रवृत्ति (साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग–1) , वामन, सं. रेवाप्रसादद्विवेदी, सदाशिवकुमारद्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005।
7. ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन, अनु. जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी. 2011।
8. औचित्यविचारचर्चा, क्षेमेन्द्र, अनु. ब्रजमोहन झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1982।
9. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, अनु. राधेश्याम मिश्र, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2055।
10. काव्यप्रकाश, मम्मट, नागेश्वरी टीका सहित, सं. श्रीहरिशंकर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2060।
11. दशरूपक (सावलोक), धनंजय–धनिक, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2019।
12. साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग 1से 7, सं. रेवाप्रसादद्विवेदी, सदाशिवकुमारद्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005।
13. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005, 2006।
14. अलं ब्रह्म, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी, वाराणसी 221005, 2005।
15. काव्यालंकारकारिका (हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद तथा टिप्पणी सहित), रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005, 2014।
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए 95, सेक्टर 5, नोएडा 201301, 2002, वितरक विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक, वाराणसी –221001।
17. Jagnnātha Paṇḍitarāja: *Rasagangādhara*, with the commentary of Nagoji Bhaṭṭa, Nirnayasagar Press, Bombay, 1974.
18. Kane, P.V.: *History of Sanskrit Poetics*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1971.
19. Ed. Pt. Reva Prasada Dwivedi: Mahimabhaṭṭa, *Vyaktiviveka*, with a Sanskrit commentary of Rajanaka Ruyyaka and Hindi commentary and notes, Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi-1, 1974.
20. Raghavan V: *Sanskrit Drama in Performance*, Ed. Rachel M. Baumen and James R. Brandon, Hawaii, 1981.
21. Rajendran, C.: 'Mahimabhaṭṭa's Concept of Poetry as a Śāstra' *The Adyar library Bulletin*, 1990.
22. Ram Avadh Dwivedi and Vikrmaditya Rai : *Literary Criticism*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1988.


सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016

23. Sharma, Mukund Madhav: *The Dhvani Theory in Sanskrit Poetics*, Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi 1, 1968.
24. An Exposition of Vyakti Vivek, Triloknath Jha, Mithila Research Institute, Darbhanga.
25. An Exposition of the Chitra Mimansa, Mangal Pati Jha, Mithila Research Institute, Darbhanga.

*******

**COURSE XV – DISCIPLINE IIIB : भारतीय सैन्यविज्ञान व रणनीति** (वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : सैन्यविद्या और रणनीति–** अंक–16

1. शत्रु का अर्थ, पर्याय, लक्षण, भेद, शत्रु का कारण, शत्रु शमन, शत्रु शमन के साधन।
2. मित्र का अर्थ, पर्याय, लक्षण भेद, मित्र का कारण, मित्र सम्वर्धन, मित्र सम्वर्धन के साधन।
3. सैन्य विद्या का अर्थ पर्याय, स्वरूप विमर्श उद्भव व विकास।
4. रणनीति का अर्थ पर्याय, स्वरूप विमर्श, उद्भव व विकास।

**इकाई–2 : सेना का स्वरूप व युद्धनीति–** अंक–16

1. सेना का अर्थ, लक्षण, सेना अंग, नारी सेना, सैनिक और अधिकारी सेना के भेद, स्कन्धावार व दुर्ग निर्माण।

**इकाई–3 :** अंक–16

1. युद्ध का अर्थ, पर्याय, लक्षण, भेद, युद्धभूमि विमर्श, युद्धयात्रा काल व स्थान विमर्श युद्धभूमि सैन्य निवेश संख्या व संसाधन परिमाण विमर्श, युद्ध में भोजन सामग्री, युद्ध कर्म का प्रारम्भ, युद्ध में सैन्य व राष्ट्र का सकारात्मक सहयोग, युद्ध में जय व पराजय, के उपरान्त आवश्यक कार्य (शान्ति / दमन)।

**इकाई–4 : उपाय व षाड्गुण्य का सैन्यविद्या व रणनीति में भूमिका–** अंक–16

1. उपाय का अर्थ, संख्या, स्वरूप व अनुप्रयोग विधि।
2. षाड्गुण्य का अर्थ, संख्या, स्वरूप, अनुप्रयोग विधि।

**इकाई–5 : सैन्यविद्या व रणनीति का ज्ञानमीमांसीय पक्ष–** अंक–16

1. ज्ञानमीमांसा का अर्थ, भेद, प्रक्रिया, ज्ञेयादि विमर्श।
2. स्पश व दूतों के द्वारा ज्ञातव्य तथ्य।
3. युद्ध मन्त्रणा व कार्यविनिश्चय।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**

1. भारतीय युद्ध कला का क्रमिक विकास, अवधेश प्रताप शुक्ल आदि, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर, 2003।
2. भारतीय सैन्यविज्ञान का इतिहास, पी. यादव व आर.एन. सिंह, नीलकमल प्रकाशन, गोरखपुर।
3. वेदों में राजनीतिशास्त्र, कपिलदेवद्विवेदी एवं भारतेन्दुद्विवेदी विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, ज्ञानपुर(भदोही), 2013।
4. वैशम्पायननीतिप्रकाशिका, वैशम्पायन, सं. टी. चन्द्रशेखरन, गवर्नमेन्ट प्रेस, मद्रास, 1953।
5. कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्, व्याख्याकार : वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी, 1984।
6. भारत का सैन्य इतिहास, एल.के. मिश्र, आकृति प्रकाशन, दिल्ली, 2019।
7. राजनीतिरत्नाकरः, चण्डेश्वर, काशी प्रसाद जायसवाल, लॉ जर्नल मुद्रणालय, इलाहाबाद, 1993।
8. कामन्दकीयनीतिसारः, गंगाधर बाबूराव काले, आनन्दआश्रममुद्रणालय, केरल, 1964।
9. हिन्दू राजतन्त्र, के.पी.जायसवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2012।
10. महाभारत की सांग्रामिकता, नन्दकिशोर, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
11. सनातनधर्मोद्धारः (भाषा–भाव–प्रभाटीकासमेतः) (खण्ड 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।
12. *Vasistha's Dhanurveda Samhita*, translated into English by Purnima Ray, J.P.Publishing House, Delhi, 2003.
13. *Indian Art of War*, Major Alfred David, Atma Ram and Sons, Kashmiri gate, Delhi-6, 1953.
14. *Indian Military its History and Development*, S.T. Das, Sagar Publications, New Delhi, 1969.
15. *Cambridge History of India*, edited by S.W. Haig, Franklin Classic, 2018.
16. *Famous Battles in Indian History*, T.G. Subrahmanyam, Palit & Dutt Publishers, Dehradun, 1969.

*******

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutab Institutional Area, New Delhi-16

## COURSE XVI – DISCIPLINE IVA : भारतीय कला

(वैकल्पिक)

पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1** अंक–16

1. भारतीय चिन्तन में कला की प्रतिष्ठा।
2. कला आध्यात्मिक, आधिदैविक एवं आधिभौतिक रूपों में।
3. सौन्दर्य की भारतीय अवधारणा।
4. सौन्दर्य के प्रतिमान एवं सौन्दर्यानुभूति।

**इकाई–2** : नाट्यशास्त्र का दर्शन एवं बुद्धिवैचक्षण्य कलाएँ एवं गायन, वादन और नर्तन कलाएँ– संगीतरत्नाकर (शारंगदेव) के सन्दर्भ में एवं क्रीड़ाकौतुक। **अंक–16**

**इकाई–3** : औपनिषदिक कलाएँ, आलेख्य एवं चित्रकला। **अंक–16**

**इकाई–4** **अंक–16**

1. स्थापत्य एवं मूर्तिकला की मौलिक अवधारणायें तथा उनका शास्त्रीय विश्लेषण।

**इकाई–5** **अंक–16**

1. हिन्दू प्रतिमा विज्ञान।
2. कला का आगमिक स्वरूप।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** **अंक–20**

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**


1. यजुर्वेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
2. अथर्ववेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
3. जयमङ्गला व्याख्या: श्री यशोधर विरचित (विद्या समुदेश्य प्रकरण) (तृतीय अध्याय), व्याख्याकार– श्री देवदत्त शास्त्री, प्रकाशक– चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, संवत् 2039, सन् 2017।
4. महाभारत, गीता प्रेस संस्करण, संवत् 2016।
5. प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, तृतीय संस्करण, 1963।
6. मध्यकालीन बोधस्वरूप (ई–बुक): हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, प्रयागराज, 2019।
7. क्षेमेन्द्र और उनका समाज: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1984
8. तान्त्रिक साहित्य, गोपीनाथ कविराज, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन, हिन्दीभवन महात्मागाँधीमार्ग, लखनऊ, 1992।
9. भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृतीय संस्करण, 2020।
10. भारतीय कला, वासुदेवशरण अग्रवाल, पृथ्वी प्रकाशन, लंका, वाराणसी, 1966।
11. भारतीय वास्तुकला का इतिहास, कृष्ण दत्त वाजपेयी, उत्तरप्रदेश,हिन्दी संस्थान, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, 2015।
12. भारतीय संस्कृति के आधार, श्री अरविन्द, अनु0 जगन्नाथ वेदालंकार एवं चन्द्रदीप त्रिपाठी, श्री अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी, तृतीय संस्करण, 2017।
13. भारत की चित्रकला, रायकृष्ण दास, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1936।
14. भारतीय मूर्तिकला, रमानाथ मिश्र, दिल्ली, 1978।
15. मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला, मारुतिनन्दन प्रसाद तिवारी और कमल गिरि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण, 2020।
16. Bharata, the Nāṭyaśāstra (VI and VII Chapter), Translation: M.M. Gosh, Asiatic Society, Kolkata, 1950.
17. *Vastu-shatra Hindu Science of Architecture*, Shukla D. N., Muraliram Manoharlal Publishers, New Delhi, 1993.
18. *The Dharma Chakra Pravartan in Literature and Art*, Deena Bandhu Pandey, New Delhi, 1973.
19. *Painting of India*, Barrett, D. & B Gray, Lausanne: Skira, 1963.
20. *The Jaina Iconography*, Bhattacharya, B.C. Delhi: Motilal Banarsidass, 1974.
21. *ShilpaPrakasha*, Boner, Alice and SadashivaRath Sharma. New Delhi: Indira Gandhi National Centre for the Arts and MotilalBanarsidass Publishers, 2005.
22. *Symbolism of Indian Architecture*, Coomaraswamy, Ananda K., Jaipur: Historical Research Documentation Programme, 1983.
23. *Transformation of Nature in Art*, Coomaraswamy, Ananda K., Combridge Mass, 1934.
24. *Introduction to Indian Art*, Coomaraswamy, Ananda K. New Delhi: Munshiram Mahoharlal Publishers, 1996.
25. *Temples of India*, Vols. 1 -2, Deva, Krishna, New Delhi: Archaeological Survey of India, 1995.
26. *Silpa in Indian Tradition*, Mishra, R.N., New Delhi: Aryan Books International, 2009.
27. *Facets of South Indian Art and Architecture*, Nagaswamy, R., New Delhi: Aryan Books International, 2003.
28. *Malwa Painting*, Anand Krishna, Banaras Hindu University, 1963.
29. *Indian Miniatures*, Archer, W.G., New York: New York Graphic Society, 1960.


सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

30. *Indian Painting*, Barrett, D. & B Gray. Geneva: d'art Albert Skira, 1978.
31. *Pahari Miniature Painting*, Khandalawala, K., Bombay: The New Book Company, 1958.
32. *Basohli Painting*, Randhawa, M.S., New Delhi: Publications Divisions, Govt. of India, 1959.
33. Sadanga or Six Limbs of Painting, Tagore, A., Indian Society of Oriental Art, Calcutta, 1968.
34. Kalā-tattva-kaśa, volume I – VII, IGNCA, New Delhi.
35. Elements of Hindu Iconography, T. A. Gopinath Rao, Law Printing House, Manto Road, Madras, 1916.
36. The Development of Hindu Icongraphy, Jitendra Nath Banejea, University of Calcutta, 1941.

*******

## COURSE XVI- DISCIPLINE IVB: विधि तथा न्यायशास्त्र

(वैकल्पिक)
पूर्णांक : 100 (80+20)

**इकाई–1 : विधिविज्ञान का उत्स और अवधारणा–** अंक–16

1. स्रोत– श्रुति, धर्मसूत्र, स्मृति, अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र, पूर्वमीमांसा, परिपाटी, आत्मसंतुष्टि, भाष्य, संकलन और न्यायालय के वादनिर्णय।
2. अवधारणा– वैदिकधर्म, स्मार्तधर्म, राजधर्म, व्यवहारधर्म। अष्टादश व्यवहारपद।

**इकाई–2 : व्यवहारमातृका–** अंक–16

1. चतुष्पादव्यवहार भाषा, उत्तर–सत्य, मिथ्या, कारण, प्राङ्न्याय, क्रिया–आगम, भोग, साक्षी, दिव्य निर्णय–साध्यसिद्धि।

**इकाई–3 : विधिशास्त्र के तत्त्व–** अंक–16

अ) स्वत्व, स्वामित्व।
ब) सम्प्रदाय : मिताक्षरा और दायभाग– वाराणसी, बम्बई, बंगाल और दक्षिण भारतीय सम्प्रदाय।

**इकाई–4 :** अंक–16

अ) विवाहविधि, दत्तकविधि, उत्तराधिकारविधि, देवोत्तरविधि

**इकाई–5 : विधिशास्त्र का इतिहास और मीमांसा–** अंक–16

अ) विधिशास्त्र का इतिहास।
ब) विधि (कानून) की मीमांसा।

**इकाई–6 आन्तरिकमूल्याङ्कन** अंक–20

**संस्तुत पाठ्यसामग्री–**

1. मीमांसान्यायप्रकाश (छायाज्ञानवतीहिन्दीव्याख्यासहित), आपदेव, राधेश्याम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2016।
2. राम निवास तिवारी, हिन्दू विधि विवेक:, वाराणसी : पिलग्रीम पब्लिशिंग।
3. पी.वी. काणे, धर्मशास्त्र का इतिहास, अनु. अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1994।
4. धर्मशास्त्रीयनिबन्धावली, म. म. महेश ठाकुर, एस. भट्टाचार्य, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा।
5. दत्तकमीमांसा, प्रकाशन विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6. P.V. Kane, *History of Dharmasastra*, Vol-1& 3, Poona: BORI, 2017.
7. G.N. Jha, *Hindu Law in its Sources*, Varanasi: Sampoornanand Sanskrit University, 2017.
8. K.L.Sarkar, *Principles of Mīmāṁsā Rules of Interpretation*, Ed. Markandeya Katzu, 1993.
9. P.N. Sen, *Hindu Jurisprudence*, Kolkata: Calcutta University, 2020.
10. P.V.Kane: *Vyavahāra Mayukh of Nilakantha*, Poona: BORI, Rashtriya Sanskrit Sansthan, 2009.
11. B.K.Swain, *The Voice of Verdict*, Varanasi: Chaukhamba Sanskrit Sansthan, 2013.
12. *Dharmasastra on Law & Ethics*, Delhi: Akshyaya Prakashan, 2019.
13. Shivaji Sing, *Evolution of Smrti Law*, Varanasi, 2007.
14. Paras Diwan, *Modern Hindu Law*, Delhi, 2018.
15. D.F.Mulla, *Principles of Hindu Law*, Delhi, 2013.

सत्यापित
VERIFIED

*******

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Skill Development Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,

**Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)**

and S.C.E. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Information Technology and Security**

**Paper No.:** **Dept. of Adhunik Gyan**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Computer Networks:** Introduction to Networks, Evolution of Networking, Types of Networks, Networking devices, Network Topologies, Internet, Web, Internet of Things, DNS.<br>**Data Communication:** Components of Data Communication, Measuring Capacity of Communication Media, Types of Communication, Transmission Media, Mobile Telecommunication. | 20 | 1 |
| 2 | **Security Aspects:** Threats and Prevention, Malware, Antivirus, Spam, HTTP vs HTTPS. Firewall, Cookies, Hackers and Crackers, Network Security Threats. Intellectual Property Rights, Privacy, Cyber Crime, illegal Downloads, Child pornography, Scams, IT Act 2000.<br>**Social Media and Awareness:** Definition of Social Media, Types of Social Media, Importance of Social Media in the Modern World, Social Media Problem: Cyber Bullying, Exclusion, Harassment, Stalking, Trolling, Tricking, Social Media Addiction: Causes and Solutions. Content Credibility, Fake News, Social Media and Mental Health | 20 | 1 |
| 3 | **Office Tools:**<br>Forms<br>Spread sheets | 20 | 1 |
| | **Practical based on Unit-3** | 20 | |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 3 |

Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Skill Development Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,

**Shastri/B.A. Yoga, 2nd Year, Semester-III (Computer Science)**

and S.C.E. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Introduction to Programming using Python**

**Paper No.:** **Dept. of Adhunik Gyan**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Introduction:** Python as a Programming Language, Keywords, Identifiers, Variables, Comments, Data Types, Operators, Expressions, Statements, Input and Output, Type Conversion. | 20 | 1 |
| 2 | **Flow Control:** Indentation, Selection, Repetition, Break and Continue, Nested Loops<br>**Functions:** Standard Library and Built in Functions, User Defined Functions, Scope of Variables, Recursion. | 20 | 1 |
| 3 | **Advance Data Types:** Strings, Lists, Tuples and Dictionaries | 20 | 1 |
| | **Practical based on Units 1 to 3** | 20 | |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 3 |

**Reference Books:**


1. Guttag, J.V. (2016). Introduction to computation and programming using Python. 2nd edition. MIT Press.
2. Taneja, S., Kumar, N. (2018). Python Programming- A modular Approach. Pearson Education India.
3. Kamthane, A. N., & Kamthane, A.A. (2017) Programming and Problem Solving with Python, McGraw Hill Education.
4. Liang, Y. D. (2013). Introduction to Programming using Python. Pearson Education.


As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Multi-disciplinary Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,

**Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-I (Computer Science)**

and M.D. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Programming Fundamentals using C**

**Paper No.:** **Dept. of Adhunik Gyan**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Introduction :**<br>C as a programming language, Structure of C Program, Keywords, Tokens, Data-types, Constants, Literals and Variables<br>Operators and Expression: Arithmetic operators, Logical operators, Relational operators, Operator precedence and associativity.<br>I/O and formatting, Library files. | 20 | 1 |
| 2 | **Control Construct:** if-else, conditional operators, switch and break, Loops: while, do-while, for loop, break and continue, goto and label.<br>**Functions:** Definition of function, function components: arguments, return value, function prototype, call by value and call by reference, Scope and lifetime of variable, Recursion. | 20 | 1 |
| 3 | **Arrays:** Array declaration, one and two dimensional arrays, multidimensional arrays.<br>**Pointers:** Pointer definition, Use of pointers. | 20 | 1 |
| | **Practical based on Units 1 to 3** | 20 | |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 3 |

**Reference Books:**


1. Programming in ANSI C, E Balagurusamy, Tata McGraw-Hill, Third Edition.
2. Let Us C, Yashwant Kanetkar, Infinity Science Press, Eight Edition.
3. Mastering C, K R Venugopal, Tata McGraw-Hill, First Edition.


सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016
**Multi-disciplinary Course**
In compliance with the National Education Policy 2020,
**Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)**
and M.D. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Data Structures**
**Paper No.:**

**Dept. of Adhunik Gyan**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Introduction :** Introduction to Data structure: Definition of data Structure, Review of basic concepts of Linear Data Structures, Recursion Arrays as data structure, String as Data Structure. | 20 | 1 |
| 2 | **Linked Lists:** Singly Linked List, Doubly linked lists, Circular linked lists, Dynamic storage management **Stacks and Queues:** Definition, Representations and Applications. Double Ended Queue, Priority Queue, Infix, prefix and Postfix Notations and conversions. | 20 | 1 |
| 3 | **Searching:** Linear Search, Binary search. **Sorting:** Selection sort, Bubble sort, Insertion Sort, Merge sort | 20 | 1 |
| | **Practical based on Units 1 to 3** | 20 | |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 3 |

**Reference Books:**


1. Fundamentals of Data Structures in C, 2nd Edition, E. Horowitz, S. Sahni and Susan Anderson Freed, Universities Press.
2. Data Structures using C – A. S. Tanenbaum, Y. Langsam, and M.J. Augenstein, PHI/Pearson Education.


As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Multi-disciplinary Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,
**Shastri/B.A. Yoga, 2nd Year, Semester-III (Computer Science)**
and M.D. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: HTML and Web Development** **Dept. of Adhunik Gyan**

**Paper No.:**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Introduction to HTML:** What is HTML?, HTML Documents, Basic structure of an HTML document, Creating an HTML document, Mark up Tags, Heading-Paragraphs, Line Breaks, HTML Tags. | 20 | 1 |
| 2 | **Elements of HTML:** Introduction to elements of HTML, Working with Text, Working with Lists, Tables and Frames, Working with Hyperlinks, Images and Multimedia, Working with Forms and controls, Introduction to CSS. | 20 | 1 |
| 3 | **Basics in Web Design:** Brief History of Internet, What is World Wide Web, Why create a web site, Web Standards, Audience requirement. **Web Design Principles:** Basic principles involved in developing a web site, Planning process, Five Golden rules of web designing, Designing navigation bar, Page design, Home Page Layout, Design Concept. | 20 | 1 |
| | **Practical based on Units 1 to 3** | 20 | |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 3 |

**Reference Books:**

1. HTML and CSS: Design and Build Websites
2. HTML5: Designing Rich Internet Applications by Matthew David
3. Introducing HTML5 by Remy and Bruce

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
नई दिल्ली-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Value Added Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,
**Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-I (Computer Science)**
and V.A.C. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Emerging Trends and Technologies**
**Paper No.:**

**Dept. of Adhunik Gyan**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Artificial Intelligence and Machine Learning:** Introduction and History of A.I., Human Vs Artificial Intelligence, Applications in everyday life, Jobs in A.I., Machine Learning, Deep Learning, Neural Networks | 20 | 1 |
| 2 | **Data Mining:** Introduction to Data Mining, Goals of Data Mining, Data Mining Process, Data Mining Techniques: Supervised and Unsupervised Learning, Applications, Big Data Analysis. | 20 | 1 |
| 3 | **Cloud Computing:** Origins of Cloud computing – Cloud components - Essential characteristics – On-demand self-service, Broad network access, Location independent resource pooling ,Rapid elasticity , Measured service, Comparing cloud providers with traditional IT service providers, Roots of cloud computing | 20 | 1 |
| | **Project Based on Units 1 to 3** | 20 | 1 |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 4 |

**Reference Books:**


1. Artificial Intelligence: 2nd Edition, E. Rich & K. Knight, McGraw Hill Education
2. Data Mining: Concepts And Techniques 3rd Edition by Jain Pei and Jiawei Han and Micheline Kamber, Elsevier Science
3. Cloud computing a practical approach - Anthony T.Velte , Toby J. Velte Robert Elsenpeter, TATA McGraw- Hill , New Delhi – 2010


As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

**Value Added Course**

In compliance with the National Education Policy 2020,
**Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)**
and V.A.C. Syllabus ready format of the subject.

**Subject: Artificial Intelligence** **Dept. of Adhunik Gyan**

**Paper No.:**

| Unit | Subject: | Marks | Credits |
|---|---|---|---|
| 1 | **Introduction:** Introduction to A.I., Intelligence Agents, Problem Solving | 20 | 1 |
| 2 | **Logic:** Logical Connectives, Well-formed formula, Tautology, Equivalences, Inference Theory | 20 | 1 |
| 3 | **Prolog Programming:** Introduction to Prolog, Deductive Database, Relation and Facts, Clauses and Instances, Queries, Substitution of Variables, Goals, Sub-goals and predicates, Relation, Recursive Rules | 20 | 1 |
| | **Project Based on Units 1 to 3** | 20 | 1 |
| | **Internal Assessment** | 20 | |
| | **Total** | **(60+20+20 = 100)** | 4 |

**Reference Books:**


1. Artificial Intelligence: 2nd Edition, E. Rich & K. Knight, McGraw Hill Education
2. Rosen, Discrete Mathematics and its Applications
3. An Introduction to Prolog Programming, Ulle Endriss


As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

10/7/2023

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

## One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

### प्रथम सत्र ( प्रथम पत्र )

### योग का महत्त्व एवं सिद्धान्त

### (Importance & Principles of Yoga)

| इकाई | विषय: | अंका: 100 | क्रेडिट: 06 |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | योग का अर्थ, परिभाषा, योग की परम्परा, विभिन्न शास्त्रों में योग का वर्णन। वेद, वाशिष्ठ, गीता, उपनिषद एवं आयुर्वेद। | 15 | 01 |
| द्वितीय: इकाई | महर्षि पतञ्जलि के अनुसार योग की परिभाषा, चित्त का स्वरूप, चित्तभूमियाँ, वृत्तियाँ, चित्तवृत्ति निरोध के उपाय, क्रियायोग, ईश्वरस्वरूप। | 15 | 01 |
| तृतीय: इकाई | हठयोग का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, योग अभ्यास हेतु उचित स्थान, ऋतुकाल, वेशभूषा, आहार, साधक- बाधक तत्व, सप्तसाधन, हठयोग की उपयोगिता/महत्व। | 15 | 01 |
| चतुर्थ: इकाई | घेरण्ड संहिता और हठयोग प्रदीपिका के अनुसार- आसन, षट्कर्म, प्राणायाम, बन्ध, मुद्रा, प्रत्याहार, ध्यान, समाधि, नादानुसंधान, कुण्डलिनी। | 15 | 01 |
| पंचम: इकाई | योगियों का जीवन परिचय-महर्षि पतंजलि, आदिगुरुशंकराचार्य, महर्षि दयानन्द, गुरुगोरक्षनाथ, श्री अरविन्द, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी कुवल्यानन्द। | 15 | 01 |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि। | 20 | 01 |

सन्दर्भ ग्रन्थ-


योग विज्ञान - स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती
वेदों में योग विद्या - स्वामी दिव्यानंद
योग मनोविज्ञान - शांतिप्रकाश आर्येय
भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय
औपनिषदिक अध्यात्म विज्ञान - डॉ0 ईश्वर भारद्वाज
योग सिद्धान्त एवं साधना - प्रो0 महेश प्रसाद सिलोड़ी
Yoga Darshan - Sw. Niranjananda Saraswati
भारत के संत महात्मा - रामलाल
भारत के महान योगी - विश्वनाथ मुखर्जी
योगामृतम् - डॉ0 महेश प्रसाद सिलोड़ी


Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

## One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

### प्रथम सत्र ( द्वितीय पत्र )

### योग एवं स्वास्थ्य ( Yoga & Health )

| इकाई | विषय: | अंका: 100 | क्रेडिट: 06 |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ पुरूष के लक्षण, स्वस्थवृत्त विज्ञान एवं इसका प्रयोजन। दिनचर्या- प्रात:कालीन नित्यकर्म (प्रात:कालीन जागरण, ऊषापान, मलत्याग, मुख-शोधन, जिह्वा निर्लेखन, चक्षुप्रक्षालन, दन्तधावन व गंडुष धारण) व्यायाम- परिभाषा, योग्यायोग्य, प्रकार, उचित व्यायाम के लक्षण व लाभ, सामान्य व्यायाम व योग व्यायाम में अन्तर। | 16 | 01 |
| द्वितीय: इकाई | अभ्यंग- परिभाषा एवं उद्देश्य, स्नान- अर्थ व परिभाषा, उद्देश्य, स्नान के भेद व समय, संसाधान, निषेधात्मक स्थितियां व लाभ। निद्रा- परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, कारणीय सिद्धान्त व लाभ, अनिद्रा के लक्षण व उपाय। | 16 | 01 |
| तृतीय: इकाई | ब्रह्मचर्य- अवधारणा, सिद्धान्त, उद्देश्य व महत्त्व। ऋतुचर्या- ऋतुविभाजन व इनकी विशेषताएं, ऋतु अनुसार आहार-विहार, दोषों का संचय, प्रकोप व प्रशमन। ऋतु-हरीतकी। ऋतुओं व आहारीय रसों का सम्बन्ध। ऋतुओं व आहारीय रसों का सम्बन्ध। ऋतुओं व जल सेवन का सम्बन्ध। ऋतु-सन्धि नियम। यमदृष्टा। सद्वृत के प्रकार व कतिपय उदाहरण, धारणीय व अधारणीय वेग आधारित आचार रसायन, आचार-रसायन आधारित आचरणीय नियम। | 16 | 01 |
| चतुर्थ: इकाई | आहार- अवधारणा व परिभाषा, उद्देश्य, गुण-धर्म, मात्र व काल, संतुलित आहार, आहार के घटक द्रव्य- कार्बोज, प्रतनक, वसा, खनिज लवण, विटामिन्स व जल के गुण-धार्म, शरीर हेतु कार्य, आहारीय स्रोत व सम्बन्धित अभावजन्य व्याधियां। | 16 | 01 |
| पंचम: इकाई | मिताहार, फलाहार, रसाहार, अपक्वाहार, अंकुरित आहार, दुग्धाहार, शाकाहार, मांसाहार की अवधारणा व लाभ। विषम भोजन- अवधारणा व हानियां। नशीले पदार्थ- गुण-धर्म व सेवन से हानियां। योग आधारित आहारीय नियमावली। | 16 | 01 |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि। | 20 | 01 |

संदर्भ ग्रंथ-


1. जीवेम शरद: शतम - पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड - 41
2. स्वस्थ्यवृत विज्ञान - प्रो. रामहर्ष सिंह
3. स्वस्थ्यवृत्तम - शिवकुमार गौड़
4. आहार और स्वास्थ्य - डॉ. हीरालाल
5. रोगों की सरल चिकित्सा - विट्ठल दास मोदी
6. योग से आरोग्य - इण्डियन योग सोसाइटी


14.3.24

Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

# One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

## प्रथम सत्र ( तृतीय पत्र )

## मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान

## ( Human Anatomy and Physiology )

| इकाई | विषय: | अंका: १०० | क्रेडिट: ०६ |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | आयुर्वेद के अनुसार शरीर की रचना, अष्टांग आयुर्वेद परिचय, 16 दोष (वात, पित, कफ) धातु, मल, मानवीय कोशिका की रचना, ऊतक त्वचा संस्थान के उपांग, त्वचा के कार्य एवं बनावट मर्म विज्ञान परिचय, स्त्रोतसवह संस्थान का वर्णन, शरीर में षट्चक्र की स्थिति। | १६ | ०१ |
| द्वितीय: इकाई | अस्थि संस्थान, अस्थियों का संगठन कार्य एवं भेद, जोड़ एवं सन्धियों का वर्णन, पेशीतन्त्र, बनावट, शरीर की मुख्य पेशियां एवं उनके कार्य उत्सर्जन तन्त्र, वृक्क की रचना तथा कार्य, उत्सर्जन तन्त्र पर योग का प्रभाव, रक्त परिसचरण, हृदय एवं रक्त की रचना एवं कार्य। | १६ | ०१ |
| तृतीय: इकाई | पाचन तन्त्र, पाचन तन्त्र की रचना क्रिया यकृत एवं अग्नाशय की रचना एवं कार्य, पाचन संस्थान पर योग का प्रभाव, षट्कर्म से पाचन संस्थान का शोधन, श्वसन संस्थान - श्वसन तन्त्र पर योग का प्रभाव, प्राण की परिभाषा एवं क्रिया विधि, योग और भेद प्राणायाम की महत्व। | १६ | ०१ |
| चतुर्थ: इकाई | अन्त: स्त्रावी संस्थान, अन्त: स्वस्त्रावी व बहिस्त्रावी ग्रन्थिया, इन्जाइम एवं हार्मोन में अन्तर, पिनियल ग्रन्थि, पीयूष ग्रन्थि, चुल्लिका ग्रन्थि, परिचुल्लिका ग्रन्थी, थायमस, अग्नाशय, एडीनल ग्रन्थि, डिम्ब व अण्डकोष ग्रन्थियों की रचना, हार्मोन एवं उनके कार्य, योग का इन ग्रन्थों पर प्रभाव। | १६ | ०१ |
| पंचम: इकाई | तत्रिका तंत्र, तन्त्रिका संस्थान का वर्गीकरण, मस्तिष्क, सुषुम्ना, कापालीय तंत्रिकाएँ स्पाइनल चित्रकार, फलेक्सस, तन्त्रिका तन्त्र पर योग का प्रभाव, ज्ञानेन्द्रियों की स्पना, रचना एवं कार्य, ज्ञानेनियों पर योग का प्रभाव | १६ | ०१ |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि | २० | ०१ |

संदर्भ ग्रंथ-


1. शरीर रचना एवं क्रया विज्ञान- प्रो. (डॉ.) अनन्त प्रकाश गुप्ता
2. Basic Anatomy and physiology- A.K. Jain
3. सुश्रुत संहिता- अत्रिदेव
4. आयुर्वेदीय क्रिया शरीर-वैद्य रणजीत राय देसाई
5. शरीर क्रिया विज्ञान- डॉ. प्रियवृत
6. शरीर रचना विज्ञान- डॉ. मुकुन्द स्वरूप वर्मा


14.3.22

Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम
# One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

## प्रथम सत्र (चतुर्थ पत्र)

### प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्त (Principles of Naturopathy)

| इकाई | विषय: | अंका: 100 | क्रेडिट: 06 |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास (आधुनिक, प्राचीन), प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन, प्राकृतिक चिकित्सा के मूल सिद्धान्त। विजातीय द्रव्यों का सिद्धान्त, रोगो के उभार का सिद्धान्त, जीवनी शक्ति बढ़ाने के उपाय, आकृति द्वारा रोग की पहचान एवं निदान। | 16 | 01 |
| द्वितीय: इकाई | **जल तत्व चिकित्सा**-जल का महत्व, जल के गुण, विभिन्न तापक्रम के अनुसार जल का शरीर पर प्रभाव, जल चिकित्सा के सिद्धान्त, जलसेवन, प्राकृतिक स्नान, साधारण व घर्षण स्नान, कटि स्नान, मेहन स्नान, वाष्प स्नान, रीढ़ स्नान, उष्ण पाद स्नान, जल की पट्टियां, स्पंज, एनिमा। | 16 | 01 |
| तृतीय: इकाई | **पृथ्वी तत्व चिकित्सा**-मिट्टी, सूर्य व वायु चिकित्सा- मिट्टी का महत्व, प्रकार एवं गुण। शरीर पर मिट्टी का प्रभाव। मिट्टी की पट्टियां। अग्नितत्व चिकित्सा- सूर्य स्नान का महत्व, शरीर पर सूर्यप्रकाश की किरणों का सिद्धान्त एवं विभिन्न रंगो का प्रयोग, सूर्य स्नान की विधि, वायु का महत्व। | 16 | 01 |
| चतुर्थ: इकाई | **वायुतत्व चिकित्सा**-अभ्यंग की परिभाषा, इतिहास व महत्त्व, अभ्यंग का विभिन्न अंगो पर प्रभाव एवं नैसर्गिक विधियां- समान्य, घर्षण, थपकी, मसलना, दलना, कम्पन, बोलना, सहलाना, झकझोरना, ताल, मुक्की, चुटकी आदि। आयुर्वेदिक विधि, मर्दन, अवगाहन, परिषेक, सिंचन, रोगों में अभ्यंग। | 16 | 01 |
| पंचम: इकाई | **आकाश तत्व चिकित्सा**-उपवास का सिद्धान्त अन्त: व वाह्य शारीरिक क्रिया-प्रतिक्रिया, रोग का उभार व उपवास, उपवास के नियम, उपवास के प्रकार-दीर्घ, लघु, पूर्ण, अर्धा जलउपवास, रसोपवास, फलोपवास, एकाहारोपवास। वायु का आरोग्यकारी प्रभाव, वायु स्नान। | 16 | 01 |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि। | 20 | 01 |

संदर्भ ग्रन्थ


चिकित्सा उपचार के विविध आयाम- पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड-40
जीवेम शरद: शतम - पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड-41
स्वास्थ्यवृत विज्ञान प्रो. रामहर्ष सिंह
स्वास्थ्यवृत्तम - शिवकुमार गौड़
आहार और स्वास्थ्य डॉ. हीरालाल
रोगों की सरल चिकित्सा विट्ठल दास मोदी
आयुर्वेदीय प्राकृतिक चिकित्सा - राकेश जिन्दल
Diet and Nutrition - Dr. Rudolf
History and Philosophy of Naturopathy - Dr. S.J. Singh
Nature Cure - Dr. H. K. Bakhru
The Practice of Nature Cure - Dr. Henry Lindlhar
आहार स्वास्थ्य के लिए- ए. पी. दीवान


14-3-22

Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

# One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

## द्वितीय सत्र ( प्रथम पत्र )

### भारतीय वाङ्मय में योग के आधारभूत सिद्धान्त

### ( Basic Principle of Yoga in Indian Vangmaya )

| इकाई | विषय | अंक: 100 | क्रेडिट: |
|---|---|---|---|
| प्रथम इकाई | गीता के अनुसार- गीतानुसार, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग, आत्मा का स्वरूप, स्थितप्रज्ञ के लक्षण, गुणसृष्टि, कर्म सिद्धान्त, | 16 | 1 |
| द्वितीय इकाई | सांख्यकारिका के अनुसार दुःख का त्रैविध्य, दुःखापघात के उपाय, गुणों का स्वरूप, प्रमाण का स्वरूप और भेद, 25 तत्त्वों की उत्पत्ति एवं सत्कार्यवाद। | 16 | |
| तृतीय इकाई | सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष सिद्धि, प्रकृति सिद्धि, पुरुष अस्तित्व एवं बहुत्व, बुद्धि के आठ धर्म, गुणधर्म, त्रयोदश करण, सूक्ष्म शरीर, अष्ट सिद्धि एवं मोक्ष। | 16 | 1 |
| चतुर्थ इकाई | उपनिषदों में योग का स्वरूप- योगोपनिषद, योगवशिष्ट, ईश, केन, कंठ, मण्डूक्य, तैतरीय। | 16 | 1 |
| पंचम इकाई | भारतीय दर्शन में योग का स्वरूप- जैन, बौद्ध, वेदान्त। | 16 | 1 |
| षष्ट इकाई | कक्षाकार्य, गृहकार्य, अनुशासन, उपस्थिति आदि | 20 | 1 |

सन्दर्भ ग्रन्थ :-


1. कल्याण योगतत्त्वांक — गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. योग मनोविज्ञान — शांति प्रकाश आत्रेय।
3. उपनिषदों में योग — डॉ. ईश्वर भारद्वाज, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. गीतार्थ संग्रह — डॉ. विजयपाल शास्त्री, सत्यम प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीमद् भगवद्गीता भाष्य — आचार्य शंकर, लोकमान्य तिलक, सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार।
6. सांख्यतत्त्वकौमुदी — वाचस्पति मिश्र
7. सांख्यकारिका — ईश्वरकृष्ण
8. Essays on Yoga — Shivanand
9. पातञ्जल योगप्रदीप — उमानन्द तीर्थ गीता प्रेस
10. सांख्यसुधा — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी (मान्यता प्रकाशन दिल्ली)
11. योगामृतम — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी (मान्यता प्रकाशन दिल्ली)
12. योग सिद्धान्त एवं साधना — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी
13. योगवाशिष्ट — गीताप्रेस, गोरखपुर
14. शिवसूत्रम् — प्रो. शुद्धानन्दपाठक


Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

# One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

## द्वितीय सत्र ( द्वितीय पत्र )

## वैकल्पिक चिकित्सा

## (Alternative Therapy)

| इकाई | विषय: | अंका: १०० | क्रेडिट: ०६ |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | वैकल्पिक चिकित्सा की अवधारणा, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा का सम्बन्ध, वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र, सीमाएँ, वैकल्पिक चिकित्सा की आवश्यकता एवं महत्व। एक्यूप्रेशर का अर्थ एवं इतिहास, एक्यूप्रेशर के सिद्धान्त एवं विधि, एक्यूप्रेशर के उपकरण, एक्यूप्रेशर के लाभ, विभिन्न दाब विन्दुओं का परिचय। एक्यूप्रेशर एवं सुजोक में साम्यता एवं विषमता। | १६ | ०१ |
| द्वितीय: इकाई | प्राण चिकित्सा–प्राण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार, प्राण चिकित्सा का परिचय, इतिहास एवं सिद्धान्त, ऊर्जा–केन्द्र, प्राण चिकित्सा की विभिन्न विधियां, प्राण चिकित्सा में रंग एवं चक्रों का महत्व, विभिन्न रोगों में प्राण चिकित्सा का प्रभाव। | १६ | ०१ |
| तृतीय: इकाई | **न्यूरोथैरेपी के सिद्धान्त-**<br>डॉ. लाजपतराय मेहरा न्यूरोथैरेपी का संक्षिप्त परिचय।<br>न्यूरोथैरेपी क्या है?<br>न्यूरोथैरेपी कैसे काम करती है?<br>न्यूरोथैरेपी के जनक कौन है?<br>न्यूरोथैरेपिस्ट को उपचार शुरू करने से पहले ध्यान रखने के लिए सामान्य नियम एवं सावधानियाँ।<br>न्यूरोथैरेपी की मुख्य मान्यतायें।<br>LMNT फारमुले एवं उनके उपयोग। | १६ | ०१ |
| चतुर्थ: इकाई | क– यज्ञ चिकित्सा– यज्ञ का अर्थ एवं परिभाषा, यज्ञ चिकित्सा के सिद्धान्त, क्षेत्र एवं परिसीमा। रोगानुसार यज्ञ चिकित्सा हेतु यज्ञ सामग्री की जानकारी। | १६ | ०१ |
| पंचम: इकाई | ख– स्वर चिकित्सा– स्वर चिकित्सा की अवधारणा व उद्देश्य, स्वर चिकित्सा के सिद्धान्त स्वर का अर्थ, प्रकृति व प्रकार, शरीरस्थ नाड़ियों की सामान्य जानकारी, अग्निमांद्य, कब्ज, दमा, प्रतिष्याय, अम्लता, उच्च व निम्न रक्तचाप, मोटापा, अनिद्रा। | १६ | ०१ |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि | २० | ०१ |

**संदर्भ ग्रन्थ–**


Introduction to Upanishads – Theosophical Society of India, Adyar, Madras, 1976)
औपनिषदिक अध्यात्म विज्ञान – डा० ईश्वर भारद्वाज
उपनिषद् संग्रह– प्रकाशक मोतीलाल बनारसीदास
भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय
भारतीय संस्कृति के विविध आयाम– डा० अरूण जायसवाल
कल्याण (योग तत्त्वांक) – गीताप्रेस गोरखपुर
कल्याण (योगांक) – गीता प्रेस गोरखपुर
डॉ० लाजपतराय मेहरा न्यूरोथेरेपी


Scanned with ACE Scanner

# स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( एक वर्षीय ) पाठ्यक्रम

## One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

### द्वितीय सत्र ( तृतीय पत्र )

### रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ( Disease and Naturopathy)

| इकाई | विषय: | अंका: 100 | क्रेडिट: 06 |
|---|---|---|---|
| प्रथम: इकाई | पाचन तंत्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा- कब्ज, अजीर्ण, यकृतविकार, मोटापा, मधुमेह, बावासीर, पीलिया।<br>दांत के रोग- पायरिया, मसूढा फूलना, मुँह का छाला। | 16 | 01 |
| द्वितीय: इकाई | अस्थि तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा- अस्थियों की सूजन, सर्वाईकल व लम्बर (स्पोन्डिलाईटिस) जोड़ों की सूजन/गठिया (अस्टियोपोरोसिस), सूखा रोग। | 16 | 01 |
| तृतीय: इकाई | पेशीतन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - कमरदर्द, मस्कुलर डिस्ट्राफी, टेटनस, मायोपैथी, रक्त संस्थान के रोग- हृदयरोग, उच्च एवं निम्न रक्त चाप, एनीमीया, ल्यूकोमिया। संक्रामक ज्वर- मलेरिया, टाइफाईड, डेंगु। | 16 | 01 |
| चतुर्थ: इकाई | नाक एवं श्वसन तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - नजला-जुकाम, साइनोसाईटिस, न्युमोनिया, खासी, अस्थमा, टांसिलिटिस।<br>कान के रोग- बहरापन, कान का बहना। | 16 | 01 |
| पंचम: इकाई | अन्त: स्त्रवी तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - थाइराइड, मधुमेह।<br>तंत्रिका तन्त्र के रोग- माइग्रेन, पार्किंसन्स, मिर्गी, लकवा, अनिद्रा, अल्जाइमर, सिजोफेरेनियॉ, निराशा, अवशाद। | 16 | 01 |
| षष्ठ: इकाई | कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि। | 20 | 01 |

सन्दर्भ ग्रन्थ-


योग चिकित्सा- स्वामी कुवल्यानंद
योग और स्वास्थ्य- डॉ० नवीन भट्ट
रोगों की सरल चिकित्सा- विट्ठल दास मोदी
रोग एवं योग- स्वामी सत्यानन्द सरस्वती


Scanned with ACE Scanner